दैनिक
साधना एक्सप्रेस

वर्ष-4 | अंक -148 | sadhnaexpress@gmail.com | भोपाल, सोमवार, 18 मई, 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये | www.sadhnaexpress.com

न्यूज ब्रीफ

सीबीएसई का बड़ा ऐलान, अब मात्र 100 रुपये में अपनी आंसर शीट देख सकेंगे छात्र, कॉपी चेकिंग विवाद पर बोर्ड ने दी सफाई

नई दिल्ली | कॉपी चेकिंग को लेकर चल रहे विवाद के बीच सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन ने छात्रों के हक में एक बड़ी घोषणा की है। अब कोई भी छात्र मात्र 100 रुपये का शुल्क देकर अपनी आंसर शीट देख सकता है। आपको बता दें कि पहले इसके लिए छात्रों को 700 रुपये देने पड़ते थे। इसके अलावा, यदि कोई छात्र किसी विशेष सवाल की दोबारा जांच कराना चाहता है, तो उसके लिए प्रति प्रश्न 25 रुपये का शुल्क तय किया गया है।

ऑन-स्क्रीन मार्किंग पर सरकार और बोर्ड की सफाई - कक्षा 12वीं के छात्रों द्वारा ऑन-स्क्रीन मार्किंग को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर विद्यालय शिक्षा सचिव संजय कुमार और सीबीएसई अध्यक्ष राहुल सिंह ने स्थिति साफ की। उन्होंने माना कि इस नई व्यवस्था को लेकर बच्चों और अभिभावकों में काफी बेचैनी है और छात्रों को लग रहा है कि इस वजह से पास होने का प्रतिशत घटा है। इस पर अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह पहली बार नहीं है जब डिजिटल चेकिंग हो रही है, बल्कि साल 2014 में ही OSM की शुरुआत की गई थी। इस साल हमने इसे फिर से लागू किया है। विदेशों में भी टेक्नोलॉजी के माध्यम से इसी तरह बहुत सी जगहों पर मार्किंग की जाती है।

उन्होंने आगे कहा कि सीबीएसई में कॉपियों के रीवैल्युएशन का नियम हमेशा से रहा है और बच्चे इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। बोर्ड पूरी पारदर्शिता के साथ कॉपियों की जांच करेगा क्योंकि वे बच्चों और माता-पिता की चिंता को अच्छी तरह समझते हैं।

85 वर्षीय तमिल प्रोड्यूसर ने नदी में कूदकर दी जान, आत्महत्या की वजह साफ नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी | तमिल फिल्म प्रोड्यूसर के. राजन ने रविवार को चेन्नई में अड्यार पुल से कूदकर अपनी जान दे दी। उनके निधन की खबर मिलने पर अड्यार पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और आगे की जांच-पड़ताल शुरू की। अग्नि एवं बचाव सेवा विभाग को खबर दी गई। सैदापेट फायर स्टेशन के कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव काम शुरू किया गया। उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए रोयापेट्टा सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। प्रोड्यूसर ने ऐसा खतरनाक कदम क्यों उठाया इसके बारे में अभी पता नहीं चल पाया है। के राजन ने तमिल सिनेमा में बड़ा योगदान दिया है। वह एक बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्ति थे। उन्होंने प्रोड्यूसर, लेखक, निर्देशक और अभिनेता के तौर पर काम किया है। उन्होंने 1983 में 'ब्रह्मचारीगल' फिल्म प्रोड्यूस करके अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने 'डबल्स', 'अवल पावम' और 'निनाइकोथा नालियाई' को प्रोड्यूस किया है। 1991 में, राजन ने 'निजालगल रवि' और सरथकुमार की 'नम्मा ऊरु मरियम्मा' के साथ एक निर्देशक के रूप में शुरुआत की। साल 2005 में उन्होंने 'अनारचिगल' का निर्देशन किया। उन्होंने 'थंगमना थंगाची' और 'अनारचिगल' की कहानियां भी लिखीं।

फिल्मों का प्रोडक्शन, निर्देशन और लेखन के अलावा उन्होंने अभिनय में भी अपना लोहा मनवाया था। उन्होंने 'माइकल राज', 'सोंथाक्करन', 'वीटोडा मापिल्लई', 'पाम्बु सताई', अजित कुमार की 'थुनिवु' और सेल्वाराघवन की 'बकासुरन' में अभिनय किया है।

सीहोर में आग का दिखा तांडव : वर्कशॉप में धधकी आग, 18 कारें जलकर राख; सिलिंडर धमाकों से अफरा-तफरी

सीहोर के आष्टा बायपास स्थित डेंटिंग-पेंटिंग गैराज में रविवार सुबह भीषण आग लगने से 18 से अधिक कारें जलकर राख हो गईं। सिलिंडर धमाकों से अफरा-तफरी मच गई। तीन दमकलों ने चार घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रारंभिक अनुमान में करोड़ों रुपये के नुकसान की आशंका जताई गई।

• सीहोर संवाददाता

सीहोर | सीहोर के आष्टा में रविवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब भोपाल-इंदौर बायपास स्थित चौपाटी के पास एक डेंटिंग-पेंटिंग व मैकेनिकल वर्कशॉप अचानक आग की भयावह लपटों में घिर गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। गैराज में सर्विसिंग के लिए खड़ी महंगी कारें एक-एक कर आग की भेंट चढ़ती चली गईं। कुछ ही मिनटों में वहां ऐसा मंजर बन गया मानो किसी ने आग का तांडव खोल दिया हो।

जानकारी के अनुसार, न्यू इंडिया डेंटिंग पेंटिंग एंड मैकेनिकल वर्कशॉप में सुबह करीब आठ बजे अचानक धुआं उठना शुरू हुआ। इससे पहले कि कर्मचारी कुछ समझ पाते, आग तेजी से फैल गई। आसपास मौजूद लोगों ने धुएं का गुबार और उठती लपटें देखीं तो अफरा-तफरी मच गई। लोग अपनी दुकानों से बाहर भागे और सड़क पर वाहनों की आवाजाही थम गई। आग की चपेट में गैराज में रिपेयरिंग और पेंटिंग के लिए खड़ी करीब 18 से 20 चारपहिया गाड़ियां आ गईं। इनमें कई महंगी कारें भी शामिल थीं।

दमकल पहुंची लेकिन पानी खत्म, बढ़ी मुश्किलें

कुछ ही देर में सभी वाहन आग की लपटों में घिरकर राख हो गए। इसके साथ ही डेंटिंग-पेंटिंग मशीनें, स्पेयर पार्ट्स, मैकेनिकल उपकरण, रंग-रसायन और अन्य सामान भी पूरी तरह जल गया। प्रारंभिक तौर पर करोड़ों रुपए के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही नगर पालिका आष्टा की दमकल मौके पर पहुंची, लेकिन शुरुआती प्रयास के दौरान दमकल का पानी महज दस मिनट में खत्म हो गया। हालात इतने गंभीर थे कि आग बुझाने की रफ्तार थम गई। इसी बीच बिजली आपूर्ति बंद होने के कारण निजी टैंकरों को भी पानी भरने में परेशानी आई, जिससे राहत कार्य प्रभावित हुआ।

तीन दमकलों ने चार घंटे तक किया संघर्ष

आग की भयावहता को देखते हुए जावर और कोठरी नगर परिषद से अतिरिक्त दमकलें बुलाई गईं। तीनों दमकलों ने स्थानीय नागरिकों की मदद से करीब चार घंटे तक लगातार मशक्कत की। पानी की तेज बौछारों और अथक प्रयासों के बाद आग पर काबू पाया जा सका। यदि समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं होता तो आसपास की दुकानों और रिहायशी इलाके तक आग फैल सकती थी।

सिलिंडर धमाकों से दहला इलाका

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आग लगने के दौरान कई बार जोरदार धमाकों जैसी आवाजें सुनाई दीं। बताया जा रहा है कि वर्कशॉप में डेंटिंग-पेंटिंग कार्य में उपयोग होने वाले गैस सिलिंडर रखे थे, जो आग की तपिश में फट गए।

आसमान में ग्रिपेन विमानों और एयरपोर्ट पर पीएम उल्फ क्रिस्टर्सन, स्वीडन में पीएम मोदी का हुआ ग्रैंड वेलकम

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने यूरोप दौरे के अगले चरण में रविवार को स्वीडन पहुंच गए हैं। जैसे ही उनका विमान स्वीडन की हवाई सीमा में दाखिल हुआ, वैसे ही स्वीडिश वायुसेना के आधुनिक ग्रिपेन लड़ाकू विमानों ने उनके विमान को चारों तरफ से घेरकर एस्कॉर्ट किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे किसी विदेशी नेता को दिए जाने वाले विशेष सम्मान और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है।

इससे पहले पीएम मोदी के यूएई पहुंचने पर भी ऐसा ही नजारा देखने को मिला था, जहां वहां की वायुसेना के एफ-16 जेट विमानों ने पीएम मोदी के विमान को सुरक्षा दी थी।

स्वीडन पहुंचने पर एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री मोदी का बेहद भव्य और ऐतिहासिक स्वागत किया गया। यहां के गुटेनबर्ग हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करने के लिए स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन खुद मौजूद थे। पीएम मोदी के विमान से नीचे उतरते ही उल्फ क्रिस्टर्सन ने बेहद गर्मजोशी और अदब के साथ उनसे हाथ मिलाया और गले मिलकर उनका स्वागत किया।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 और 18 मई को स्वीडन के दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। यह यात्रा स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन के विशेष निमंत्रण पर हो रही है।

इस दौरे के दौरान दोनों देशों के बड़े नेता भारत और स्वीडन के बीच पुराने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करेंगे। साथ ही व्यापार, निवेश और आधुनिक तकनीकों के क्षेत्र में आपसी सहयोग को और मजबूत करने पर गहन चर्चा की जाएगी।

किडनी फेल होने से एक और मौत: कोटा में नहीं थम रहा प्रसूता की मौतों का सिलसिला; अब तक पांच हुई मौत

• कोटा, एजेंसी

कोटा | कोटा जिले में प्रसूताओं की मौत का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा है। न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रविवार को एक और गर्भवती महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतका की पहचान शिवपुर निवासी शिरीन के रूप में हुई है, जो करीब छह माह की गर्भवती थी। किडनी फेलियर और संक्रमण फैलने के कारण उसकी हालत लगातार गंभीर बनी हुई थी। इस मौत के बाद अब न्यू मेडिकल कॉलेज में प्रसूताओं की मौत का आंकड़ा पांच तक पहुंच गया है, जिससे चिकित्सा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं।

निजी अस्पताल से मेडिकल कॉलेज किया गया था रेफर - परिजनों के अनुसार शिरीन को 5 मई को तबीयत बिगड़ने पर न्यू

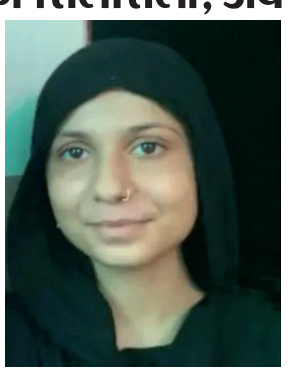

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच के दौरान चिकित्सकों ने बच्चेदानी का मुंह खुला पाया, जिसके बाद टांके लगाए गए और उसे वार्ड में भर्ती कर लिया गया। परिवार का आरोप है कि 7 मई को अचानक उसकी तबीयत ज्यादा खराब होने लगी। शरीर से लगातार रक्तस्राव हो रहा था, लेकिन अस्पताल स्टाफ ने स्थिति को गंभीरता से नहीं लिया। धीरे-धीरे उसका ब्लड प्रेशर और प्लेटलेट्स गिरने लगे।

डायलिसिस के बाद भी नहीं बच सकी जान - हालत बिगड़ने पर परिजन उसे 7 मई को निजी अस्पताल लेकर गए, जहां 8 मई को उसका डायलिसिस किया गया। हालांकि संक्रमण तेजी से शरीर में फैलता गया। इसके बाद 16 मई को उसे दोबारा न्यू मेडिकल कॉलेज के नेफ्रोलॉजी विभाग में रेफर किया गया। इलाज के दौरान रविवार को शिरीन ने दम तोड़ दिया। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है।

परिजनों ने लगाए लापरवाही के आरोप - मृतका के परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है।

शिया-सुन्नी चांद कमेटियों का बड़ा ऐलान, बकरीद 28 मई को मनाई जाएगी

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शिया-सुन्नी चांद कमेटियों ने जिल हिज्ज के चांद को लेकर बड़ा ऐलान कर दिया है.

मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली और सैफ अब्बास ने किया ऐलान किया कि इस साल बकरीद 28 मई को मनाई जाएगी.

मौलाना सैफ अब्बास नकवी ने बताया कि रविवार 17 मई को जिल हिज्ज का चांद नहीं दिखाई दिया है. ऐसे में 28 मई को ईद-उल-अज़हा (बकरीद) का त्योहार मनाया जाएगा.

मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने बताया कि 19 मई को ज़िल हिज्ज की पहली तारीख होगी. वहीं बकरीद को लेकर मुस्लिम समुदाय ने तैयारियां शुरू कर दी हैं.

धर्मगरुओं ने लोगों से त्योहार को अमन, भाईचारे और सादगी के साथ मनाने की अपील की है. वहीं चांद के ऐलान के बाद मुस्लिम समुदाय में बकरीद की तैयारियां भी तेज हो गई हैं। शहर के बाजारों में खरीदारी बढने लगी है और कुर्बानी को लेकर लोग आवश्यक इंतज़ामों में जुट गए हैं.

बता दें कि बकरीद इस्लाम धर्म का प्रमख त्योहार माना जाता है, जिसे इब्राहिम अलैहिस्सलाम की कुर्बानी की याद में मनाया हज़रत जाता है. इस मौके पर मूस्लिम समूदाय के लोग नमाज़ अद करने के बाद कुर्बानी करते हैं और गरीबों व जरूरतमंदों के बीच मांस तकसीम किया जाता है.

केरल में शपथ ग्रहण से पहले कैबिनेट की घोषणा, कांग्रेस के चेन्नितला और मुरलीधरन जैसे दिग्गज नेताओं के नाम शामिल, आईयूएमएल खेमे से भी बनेंगे मंत्री

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | केरल के मनोनीत मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने शपथ ग्रहण से पहले रविवार को मंत्रियों के नाम की घोषणा कर दी है.

यह सभी मंत्री मुख्यमंत्री सतीशन के साथ ही शपथ लेंगे. नए मंत्रिमंडल में कांग्रेस के कई सीनियर नेता शामिल होंगे. जिन मंत्रियों के नाम शामिल हैं, उनमें रमेश चेन्नितला, के. मुरलीधरन और केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख सन्नी जोसेफ शामिल हैं.

तिरुवनचर राधाकृष्णन केरल की नई कैबिनेट के स्पीकर बनाए गए हैं. कैबिनेट की घोषणा के साथ-साथ यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (UDF) ने विधानसभा के प्रमुख पदों को भी अंतिम रूप दे दिया है. सीनियर विधायक तिरुवनचूर राधाकृष्णन को केरल विधानसभा का स्पीकर चुना गया है.

वहीं शानिमोल उस्मान डिप्टी स्पीकर के रूप में कार्य करेंगे. साथ ही IUML से 5 विधायकों को कैबिनेट में जगह दी जाएगी.

तमिलनाडु की सत्ता संभालने के बाद सीएम विजय का पहला दिल्ली दौरा

नई दिल्ली, एजेंसी | तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय आगामी 22 मई को नई दिल्ली की यात्रा पर जा रहे हैं। इस महीने की शुरुआत में राज्य के मुख्यमंत्री का पदभार संभालने के बाद, देश के बड़े नेताओं के साथ उनकी यह पहली बड़ी और महत्वपूर्ण मुलाकात होगी। अपनी इस यात्रा के दौरान वे कई उच्चस्तरीय बैठकों में शामिल होंगे।

अमित शाह ने किया टेक पार्क का उद्घाटन, बोले- देश का सबसे बड़ा सर्विस और डीप-टेक हब बनेगा

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली, एजेंसी | समारोह को संबोधित करते हुए अमित शाह ने गुजरात के औद्योगिक विकास की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वे काम के सिलसिले में देश के लगभग सभी राज्यों का दौरा करते हैं, लेकिन उद्योगों के विकास की जो रफ्तार गुजरात में देखने को मिलती है, वह सचमुच बेमिसाल है। गृह मंत्री ने कहा कि गुजरात ने मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में विकास को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है और अब हमारा लक्ष्य सर्विस सेक्टर में भी गुजरात को देश के सबसे आगे रहने वाले राज्यों में शामिल करना है।

एआई और डीप-टेक में भारत का बढ़ता कदम -अमित शाह ने भविष्य की तकनीकों पर जोर देते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज एआई, डीप-टेक, डिजाइन इनोवेशन और डिजिटल टेक्नोलॉजी जैसे आधुनिक क्षेत्रों में तेजी से दुनिया भर में अपनी पहचान बना रहा है। आने वाले 25 सालों में यही तकनीकें पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को चलाएंगी और भारत इसके लिए पूरी तरह तैयार हो चुका है।' उन्होंने आगे कहा कि भारत के युवाओं का हुनर, तकनीकी क्षमता और नया सोचने का अंदाज आज पूरी दुनिया को अपनी तरफ खींच रहा है। उन्हें पूरा भरोसा है कि गुजरात आने वाले सालों में सिर्फ फैक्ट्रियों का ही नहीं, बल्कि सर्विस और नॉलेज इकोनॉमी का भी सबसे बड़ा केंद्र बनेगा।

एनआईडी में नई शुरुआत - अहमदाबाद में स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन के एक कार्यक्रम में शामिल होकर गृह मंत्री अमित शाह ने गांधीनगर परिसर में 'इंक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर' की शुरुआत की। उन्होंने इस केंद्र को नए आइडिया पर आधारित अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा कदम बताया। उन्होंने कहा कि NID सिर्फ पढ़ाई-लिखाई का एक कॉलेज नहीं है, बल्कि यह युवाओं की रचनात्मकता, नई सोच और व्यापार को आपस में जोड़ने वाला एक मजबूत मंच है, जिसने देश को डिजाइन की दुनिया में नई दिशा दी है।

युवाओं की सोच बनेगी देश की ताकत - गृह मंत्री ने याद दिलाया कि जब एनआईडी की स्थापना की गई थी, तब इसके उद्देश्यों को बहुत दूर की सोच के साथ तैयार किया गया था।

नीट-यूजी 2026 पेपर लीक केस : 14 दिन सीबीआई कस्टडी में एनटीए की एक्सपर्ट मनीषा, ऐसे बेचा था पेपर!

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने मामले की मुख्य आरोपी मनीषा गुरुनाथ मांढरे को 14 दिनों के लिए सीबीआई की कस्टडी में सौंप दिया है। जांचकर्ताओं के मुताबिक, महाराष्ट्र की एक सीनियर टीचर मांढरे, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी से जुड़ी एक विशेषज्ञ के तौर पर काम कर रही थीं। वे पुणे के शिवाजीनगर इलाके में स्थित 'मॉडर्न कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स' में पढ़ाती थीं।

बायोलॉजी के गोपनीय प्रश्नों तक थी सीधी पहुंच -सीबीआई ने जांच के बाद बताया कि मनीषा मांढरे नीट यूजी 2026 परीक्षा के लिए बॉटनी और जूलॉजी के प्रश्न पत्र तैयार करने वाली टीम में शामिल थीं। परीक्षा प्रणाली में इतनी बड़ी भूमिका होने के कारण, उनके पास 3 मई 2026 को होने वाली परीक्षा से पहले ही बायोलॉजी के बेहद गोपनीय प्रश्नों की सीधी पहुंच थी, जिसका उन्होंने गलत फायदा उठाया।

मनीषा वाघमारे के जरिए ढूंढे छात्र - जांचकर्ताओं का दावा है कि अप्रैल 2026 के दौरान आरोपी मांढरे ने एक अन्य आरोपी मनीषा वाघमारे के माध्यम से कुछ चुनिंदा नीट उम्मीदवारों की पहचान की थी। इस सौदेबाजी में शामिल मनीषा वाघमारे को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

सीबीआई के अनुसार, पुणे में आरोपी मांढरे के घर पर छात्रों के लिए खास कोचिंग सेशन रखे गए थे।

गंगटोक की सड़कों पर घूमे मंत्री सिंधिया , पत्नी के लिए की शॉपिंग, यूपीआई से किया डिजिटल पेमेंट

• गंगटोक, एजेंसी

गंगटोक | सिक्किम के तीन दिवसीय दौरे के अंतिम दिन केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री व संचार मंत्री ज्योदिरादित्य सिंधिया ने राजधानी गंगटोक की प्रतिष्ठित एमजी रोड का भ्रमण किया और स्थानीय संस्कृति एवं उत्पादों के प्रति अपनी विशेष रुचि दिखाई। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ज्योदिरादित्य सिंधिया ने

बाखू हाउस से अपनी धर्मपत्नी प्रियाराजे सिंधिया के लिए पारंपरिक सिक्किमी परिधान बाखू की खरीदारी की। उन्होंने शुद्ध रेशम से बने आकर्षक बाखू सेट के साथ पारंपरिक एप्रन एवं बेल्ट भी खरीदे। खरीदारी के दौरान मंत्री ने वीडियो कॉल के माध्यम से श्रीमती सिंधिया से सलाह ली और उनकी पसंद के अनुसार वस्त्रों को खरीदा। एमजी रोड में केन्द्रीय मंत्री ने एक स्थानीय डिपार्टमेंटल स्टोर का भी दौरा किया और सिक्किम के प्रसिद्ध स्थानीय उत्पादों एवं स्नैक्स डल्ले पेस्ट, डल्ले विनेगर, तितौरा और ड्राई प्लम की खरीदारी की। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री ज्योदिरादित्य सिंधिया ने खरीदारी का पूरा भुगतान डिजिटल तरीके से UPI के माध्यम से किया।

भट्टी की तरह तप रहे इंदौर-उज्जैन, पारा फिर 43 डिग्री, लू का अलर्ट

इंदौर | मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ रही है। इंदौर और उज्जैन संभाग में सबसे ज्यादा गर्मी है। रविवार को इंदौर में पारा 42.8 और उज्जैन में 43 डिग्री रहा। शनिवार रात को भी इंदौर में पारा 26 डिग्री रहा जो समान्य से एक डिग्री अधिक है। रविवार को सुबह से ही गर्म हवाएं चलने लगी और दोपहर में तो सड़कें पूरी तरह से सूनी दिखी। लोगों ने 12 बजे के बाद घरों में रहना ही पसंद किया। रविवार होने के बावजूद बाजारों में भीड़ नहीं देखी गई और लोग शाम 6 बजे के बाद में ही घरों से निकले।

रतलाम में पारा 44.8 पर पहुंचा

रतलाम में गर्मी ने भीषण कहर बरपाया है। रतलाम में आज दिन का पारा 44.8 डिग्री रहा। मध्यप्रदेश के 10 से अधिक जिलों में पारा 43 डिग्री के पार चल रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक अभी तीन दिन तक लू चलने का अलर्ट है। अधिकांश जिलों में लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ेगा।

मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी

मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने कहा कि अगले 3 दिन यानी 18, 19 और 20 मई को प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ेगी। दोपहर 12 से 3 बजे तक ज्यादा असर रहेगा।

ऐसे में लोग जरूरी होने पर ही घरों से बाहर निकले। घर से बाहर निकलने पर लगातार पानी पिएं और चेहरे और पूरे शरीर को सूती कपड़े से ढंककर रखें।

मई में 13 दिन गिरा पानी, मालवा निमाड़ सूखा ही रहा

मध्य प्रदेश में 30 अप्रैल से आंधी-बारिश का दौर शुरू हो गया था। लगातार 11 दिन यानी 10 मई तक प्रदेश में बारिश हुई। कभी वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) का असर देखने को मिला तो कभी चक्रवात और टर्फ का। इस वजह से मई के पहले सप्ताह में बारिश हुई। 11 मई को आंधी-बारिश का दौर थमा। लेकिन 12, 13, 14 और 15 मई को फिर मौसम का मिजाज बदल गया।

इस तरह मई के 16 में से 13 दिन आंधी, बारिश या ओलावृष्टि का असर रहा। हालांकि इस दौरान भी मालवा निमाड़ के अधिकांश जिलों में गर्मी ने कहर बरपाया। इंदौर समेत आसपास के जिलों में न तो बारिश हुई न ही ठंडी हवाओं ने राहत दी।

हनुमान मंदिर से मस्जिद तक का रास्ता ठप, रहवासियों की शिकायत पर निगम ने जारी किया पेमेंट

इंदौर | इंदौर के चंद्रभागा क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर एक बड़ा गतिरोध सामने आया है। नगर निगम द्वारा यहां बनाई जा रही मुख्य सड़क का निर्माण कार्य संबंधित ठेकेदार द्वारा पूरी तरह से रोक दिया गया है। ठेकेदार का आरोप है कि नगर निगम की ओर से उसे समय पर बकाया भुगतान नहीं मिल रहा था, जिसके चलते वित्तीय संकट के कारण काम को आगे बढ़ाना संभव नहीं था। सड़क का निर्माण कार्य बीच में ही अटक जाने और आधी-अधूरी सड़क छोड़ दिए जाने के कारण इस व्यस्त मार्ग पर लगातार हादसे हो रहे हैं। क्षेत्रीय रहवासियों और वाहन चालकों को इस लापरवाही की वजह से भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बढ़ती दुर्घटनाओं और धूल के गुबार से परेशान होकर स्थानीय नागरिकों ने इस विषय में क्षेत्रीय राजनेताओं और नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों से बार-बार शिकायतें दर्ज कराईं। लगातार मिलती शिकायतों के बाद आखिरकार निगम प्रशासन की नींद खुली है और व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए ठेकेदार को तुरंत बीस लाख रुपए की राशि का भुगतान जारी किया गया है। इस वित्तीय राहत के बाद अब यह संभावना जताई जा रही है कि पिछले कई दिनों से बंद पड़े इस महत्वपूर्ण निर्माण कार्य में एक बार फिर तेजी आ सकेगी।

हनुमान मंदिर से कलालकुई मस्जिद तक अधर में लटका है मार्ग

नगर निगम के लोक निर्माण विभाग द्वारा चंद्रभागा क्षेत्र में मुख्य मार्ग की सड़क के चौड़ीकरण और नए सिरे से निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। प्रशासनिक योजना के अनुसार यह महत्वपूर्ण सड़क चंद्रभागा के प्रसिद्ध हनुमान मंदिर से लेकर कलालकुई मस्जिद तक बनाई जा रही है।

इस मार्ग को मास्टर प्लान के तहत चौड़ा करने के लिए नगर निगम के रिमूवल अमले द्वारा पूर्व में बड़ी संख्या में बाधा बने मकानों के आगे के हिस्सों और अवैध निर्माणों को तोड़ा गया था। तोड़फोड़ की इस बड़ी कार्रवाई के बाद सड़क निर्माण का काम शुरुआती तौर पर तो काफी तेजी से शुरू हुआ था, लेकिन पिछले कई हफ्तों से ठेकेदार द्वारा अचानक काम पूरी तरह बंद कर दिए जाने से स्थिति बदतर हो गई है। वर्तमान में इस क्षेत्र से गुजरने वाले आम नागरिकों और राहगीरों को भारी मानसिक और शारीरिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। जो लोग पगनीसपागा वाले हिस्से से चंद्रभागा होते हुए सरवटे बस स्टैंड की तरफ जाना चाहते हैं या फिर संजय सेतु जैसे शहर के लाइफ लाइन माने जाने वाले मार्ग पर पहुंचना चाहते हैं, उनके लिए यह रास्ता पूरी तरह से अवरुद्ध और बंद पड़ा हुआ है।

निगमायुक्त के दौरे और ठेकेदार की शिकायत के बाद जारी हुआ फंड

जनता को रोजाना हो रही इस गंभीर परेशानी और यातायात के कबाड़े की तरफ आखिरकार नगर निगम के आला अधिकारियों का भी ध्यान आकर्षित हुआ। बीते दिनों नगर निगम के आयुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा इस पूरे प्रोजेक्ट की जमीनी हकीकत जानने के लिए कार्य के प्रभारी अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर के साथ चंद्रभागा सड़क का विस्तृत दौरा किया गया था। इस निरीक्षण दौरे के दौरान अधिकारियों को मौके पर काम बंद मिला, जिसके बाद ठेकेदार ने अपनी आर्थिक लाचारी और भुगतान न मिलने की गंभीर शिकायत सीधे कमिश्नर और अपर आयुक्त के सामने दर्ज कराई थी।

ठेकेदार का साफ तौर पर कहना था कि वह अपनी जेब से और बाजार से कर्ज लेकर काफी पैसा इस प्रोजेक्ट में लगा चुका है, इसलिए जब तक निगम की तरफ से उसे कुछ पुराना भुगतान नहीं मिल जाता, तब तक आगे काम को सुचारू रख पाना पूरी तरह असंभव है। ठेकेदार के इस कड़े रुख और काम बंद कर देने के सीधे परिणाम स्वरूप नगर निगम ने अपनी साख बचाने के लिए अभी दो दिन पहले ही ठेकेदार के खाते में बीस लाख रुपए की राशि ट्रांसफर की है।

अगले महीने तक काम पूरा करने का निगम अधिकारियों का दावा

नगर निगम की ओर से इस आंशिक भुगतान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब यह उम्मीद की जा रही है कि गड्ढों और मलबे में तब्दील हो चुकी इस अधूरी सड़क के निर्माण कार्य में अब गति आएगी।

क्षेत्र के लोगों को भी इस बात की आस है कि जल्द ही उन्हें उड़ने वाली धूल और आए दिन होने वाले सड़क हादसों से मुक्ति मिल सकेगी। इस पूरे मामले में नगर निगम के तकनीकी विंग के अधिकारियों और इंजीनियरों का दावा है कि ठेकेदार को वित्तीय संकट से उबारने के लिए फंड जारी कर दिया गया है और उसे जल्द से जल्द लेबर और मशीनरी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

निगम के जिम्मेदार अधिकारियों के मुताबिक यदि अब काम बिना किसी रुकावट के लगातार चलता रहा, तो अगले महीने के अंत तक इस सड़क का निर्माण कार्य पूरी तरह से संपन्न कर लिया जाएगा और इसे आम जनता के यातायात के लिए पूरी तरह खोल दिया जाएगा।

आज गांधी जी चुनाव लड़ते तो जमानत जब्त हो जाती', सांसद मनोज झा ने बताया कितनी बदल गई राजनीति

इंदौर | प्रसिद्ध चिंतक, विचारक और सांसद मनोज कुमार झा ने कहा है कि हमारे देश में राजनीति की भाषा ऐसी हो गई है कि आज यदि महात्मा गांधी होते और वह चुनाव लड़ लेते तो वह भी हार जाते। राजनेता केवल ईवीएम की भाषा समझते हैं और भाषा ईवीएम को नहीं समझती है। राजनीति की भाषा तो हर दिन के साथ खराब होती जा रही है लेकिन भाषा को लेकर चल रही राजनीति भी मन को दुखा रही है।

वे आज शाम यहां जाल सभागृह में अभ्यास मंडल के द्वारा आयोजित 66 वीं ग्रीष्मकालीन व्याख्यान माला में राजनीति की भाषा और भाषा की राजनीति विषय पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज हमारे देश की जनता को नेता के रूप में आक्रामक नेता चाहिए होता है। हम यह नहीं सोचते हैं कि हम अपना नुमाइंदा चुन रहे हैं, कोई पहलवान नहीं चुन रहे हैं। अब तो हालत यह हो गई है कि यदि 1920 के दौर वाले गांधी जी भी आ जाएं तो आज के हालात को देखकर वे चुनाव नहीं लड़ेंगे और यदि लड़ेंगे तो उनकी जमानत जप्त हो जाएगी। राजनीति की इस बदलती भाषा के लिए हम सभी गुनहगार हैं। लोकतंत्र में भाषा की गिरावट में कोई पार्टी पीछे नहीं है। पहले एक समय था जब यदि युवावस्था में भी किसी के मुंह से अपशब्द निकल जाता तो वह दोस्तों को पसंद नहीं आता था। आज तो इसी अपशब्द ने सम्मान की जगह ले ली है।

बांटने और काटने की भाषा से समाज बंटता है - उन्होंने कहा कि चुनावी लड़ाई में यदि भाषा को गिराना पड़े तो उससे बाज आना चाहिए। बांटने और काटने की भाषा से समाज बंटता है। देश की आजादी के समय पर जो विभाजन की लकीर दो देशों के बीच में खींची गई थीं। वह लकीर आज हर मोहल्ले में नजर आ रही है। हमारे संविधान की भाषा स्पष्ट है उस भाषा के स्थान पर आज सरेआम गाली दी जा रही है। अब तो सरकार की आलोचना मतलब देश की आलोचना हो गया है। यह स्थिति 50 साल पहले भी आपातकाल के समय पर बनी थी और आज फिर वही स्थिति बन रही है। कोई भी व्यक्ति भारत नहीं हो सकता है क्योंकि भारत विशाल हृदय की सोच है।

जमीन को बचाने के लिए जो आवाज उठाएगा वह अर्बन नक्सली - उन्होंने कहा कि यदि अब भी हम अपनी संस्थागत संरचना को बचा नहीं पाए तो मुश्किल होगी। हाल ही में हुए बिहार और पश्चिम बंगाल के चुनाव में घुसपैठिए, अर्बन नक्सल जैसे शब्द खूब जमकर गुंजाए गए। जब किसी जमीन पर किसी बड़े व्यक्ति की नजर पड़ जाती है तो उस जमीन को बचाने के लिए जो आवाज उठाएगा वह अर्बन नक्सली करार दिया जाता है। हमारे देश का मानस टूट गया है। आज हमारे देश में सांझा छत तो है लेकिन सकून नहीं है। जब तक सांझ सोच और सांझ सपना नहीं होगा तब तक देश तरक्की नहीं कर पाएगा।

प्रो झा ने कहा कि भाषा के विवाद में देश ने काफी कुछ खोया है। हिंदी पखवाड़े से हिंदी बड़ी भाषा नहीं बनी है बल्कि लोक माध्यम से हिंदी बड़ी भाषा बनी है। भाषा हमारे जीवन का माध्यम है। राजनीति के लोग भाषा नहीं ईवीएम देखते हैं और भाषा को ईवीएम नहीं दिखती है। आज समस्या यह है कि जो ओहदेदार हैं वह अभ्यास नहीं करते, मंडल बनाकर बैठ गए हैं।

भारत दृष्टि 2047 पर कल व्याख्यान - कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथि का स्वागत श्याम सुंदर यादव, रामबाबू अग्रवाल, अन्ना दुराई, नेहा जैन, इशाक चौधरी, अंजेश ने किया। कार्यक्रम का संचालन मनीष भालेराव ने किया। अतिथि को स्मृति चिन्ह अनिल त्रिवेदी और ओ पी गोयल ने भेंट किए। अंत में आभार प्रदर्शन अरविंद तिवारी ने किया। अभ्यास मंडल की इस व्याख्यान माला में कल सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के मध्य प्रदेश के प्रभारी डॉ महेंद्र सिंह का व्याख्यान रखा गया है। उनका विषय होगा भारत दृष्टि 2047। यह व्याख्यान शाम 6 बजे जाल सभागृह में आयोजित किया जाएगा।

इंदौर के तालाब में दोस्त के साथ नहाने गया किशोर डूबा, सर्चिंग में जुटी टीम

इंदौर | इंदौर के टिगरिया तालाब में नहाने गए दसवीं कक्षा के छात्र कृष्णा राजावत गहरे पानी में डूब गया। पुलिस और एनडीआरएफ की टीम ने शाम तक उसकी तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। सोमवार को फिर से खोज अभियान चलाया जाएगा।

इंदौर के टिगरिया तालाब में एक किशोर नहाने के दौरान डूब गया। वह अपने दोस्तों के साथ नहाने गया था और ठीक से तैरना नहीं जानता था। तालाब में लापता होने की खबर मिलने पर पुलिसकर्मी और एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और अंधेरा होने तक उसकी तलाश की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला।

बाणगंगा क्षेत्र में रहने वाला कृष्णा राजावत अपने दोस्तों मयंक, शिवांशु, प्रिंस और अमन के साथ नहाने गया था। वह गहरे पानी में चला गया और उसके बाद नजर नहीं आया। दोस्तों ने उसे पानी में खोजा, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। इसके बाद वे तालाब से बाहर आए और परिजनों को सूचना दी। दोस्तों ने पुलिस को बताया कि छह दोस्त तालाब में नहाने गए थे, जिनमें तीन गहरे पानी में गए थे और कृष्णा भी उनके साथ था।

कृष्णा दसवीं कक्षा का छात्र था और अक्सर दोस्तों के साथ इस तालाब में नहाने आता था। जब उसके डूबने की जानकारी मिली, तो परिजन भी मौके पर पहुंचे। शाम तक एनडीआरएफ की टीम ने तलाशी अभियान चलाया, लेकिन कृष्णा का कोई पता नहीं चला। सोमवार को फिर से उसकी खोज के लिए टीम तालाब में उतरेगी।

दौर में रातों-रात सील हुईं कई और होटलें, विधायक की शिकायत के बाद जागा निगम

इंदौर | इंदौर शहर के महालक्ष्मी नगर क्षेत्र में नगर निगम ने अवैध रूप से संचालित व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई को तेज कर दिया है। निगम की टीम ने हाल ही में आवासीय भूखंडों पर नियमों के विरुद्ध बनाई गईं तीन और होटलों को पूरी तरह से सील कर दिया है। इस नए एक्शन के बाद अब तक इस विशेष इलाके में सील की जा चुकी होटलों की कुल संख्या बढ़कर 19 हो गई है।

प्रशासनिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, नगर निगम द्वारा पूर्व में यहां कुल 25 होटलों को नियमों के उल्लंघन को लेकर नोटिस जारी किए गए थे, जिसके बाद यह कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। हालांकि, स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी तेज हो गई है कि निगम प्रशासन आवासीय भूखंडों पर धड़ल्ले से चल रहे अवैध हॉस्टलों के खिलाफ वैसी तत्परता नहीं दिखा रहा है, जैसी होटलों के खिलाफ देखी जा रही है।

जोन नंबर आठ के विभिन्न वार्डों में चला निगम का डंडा - नगर निगम के जोन नंबर 8 के अंतर्गत आने वाले वार्ड क्रमांक 37 के महालक्ष्मी नगर और चिकित्सक नगर में निगम के अमले ने अचानक पहुंचकर तीन होटलों पर तालाबंदी की कार्रवाई को अंजाम दिया। ये होटलें पूरी तरह से आवासीय अनुमति वाले भवनों में अवैध रूप से व्यावसायिक तौर पर संचालित की जा रही थीं। निगम की टीम ने इस अभियान के दौरान महालक्ष्मी नगर स्थित होटल न्यू आरके, चिकित्सक नगर की होटल एकोदिया और होटल गोल्डन स्टाफ को सील करने की वैधानिक कार्रवाई पूरी की है। गौरतलब है कि इससे ठीक पहले भी निगम ने इसी क्षेत्र की स्कीम नंबर 94 सेक्टर ईबी में एक साथ 16 होटलों को सील करने का बड़ा कदम उठाया था। इस पूरी मुहिम को मिलाकर अब तक कुल 19 होटलों को बंद कराया जा चुका है। क्षेत्र की पार्षद संगीता महेश जोशी ने इस कार्रवाई का समर्थन करते हुए कहा कि इससे स्थानीय रहवासियों को बहुत बड़ी राहत मिली है, लेकिन मुख्य और प्रभावी कार्रवाई होना अभी भी बाकी है।

नोटिस के बाद भी बंद नहीं हुए थे संस्थान, अनैतिक गतिविधियों की शिकायत - स्थानीय पार्षद ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम ने इस पूरे क्षेत्र में चिन्हित की गईं 25 होटलों को पहले ही कानूनी नोटिस थमा दिए थे। इनमें से 19 होटलों को अब तक सील कर दिया गया है, जबकि 6 अन्य होटलों पर अभी भी कार्रवाई होना शेष है। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि रहवासी इलाकों के बिल्कुल बीचों-बीच चल रही होटलों पर कार्रवाई करना बेहद अनिवार्य है, क्योंकि इन स्थानों पर लगातार कई प्रकार के अनैतिक काम होने की शिकायतें मिल रही थीं, जिससे पूरे क्षेत्र का सामाजिक और पारिवारिक माहौल पूरी तरह दूषित हो रहा था। पार्षद ने एक और महत्वपूर्ण आंकड़ा साझा करते हुए बताया कि निगम प्रशासन ने इस इलाके में कुल 39 अवैध हॉस्टलों को भी नोटिस जारी किए थे। ये सभी हॉस्टल भी बिना अनुमति के पूरी तरह से आवासीय भूखंडों पर व्यापारिक तौर पर चलाए जा रहे हैं, लेकिन बेहद आश्चर्य की बात है कि इनमें से किसी भी हॉस्टल के खिलाफ निगम ने अभी तक कोई दंडात्मक कदम नहीं उठाया है।

शहर के अन्य क्षेत्रों में उदासीनता पर खड़े हुए सवाल - इस पूरी मुहिम के पीछे की राजनीतिक और प्रशासनिक पृष्ठभूमि की बात करें तो स्थानीय विधायक महेंद्र हार्डिया द्वारा विधानसभा के पटल पर इस गंभीर मुद्दे को पुरजोर तरीके से उठाया गया था। विधायक के इस हस्तक्षेप के बाद ही दबाव में आए नगर निगम ने इस विशेष क्षेत्र में तो आवासीय भूखंडों पर चल रही होटलों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई कर दी, परंतु शहर के अन्य किसी भी वॉर्ड या क्षेत्र में इस प्रकार की कोई कार्रवाई निगम की किसी भी टीम द्वारा अब तक शुरू नहीं की गई है।

स्थानीय रहवासियों का कहना है कि जब आवासीय नियमों का उल्लंघन करके होटल के रूप में व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन करना पूरी तरह से गैरकानूनी है, तो फिर इस प्रकार की दंडात्मक और सुधारात्मक कार्रवाई को सिर्फ एक क्षेत्र तक सीमित न रखकर पूरे इंदौर शहर में समान रूप से लागू किया जाना चाहिए।

इंदौर की सेंट्रल जेल में मुलाकात के समय पूर्व पार्षद और गैंगस्टर के बीच विवाद

इंदौर | इंदौर की सेंट्रल जेल में मुलाकात के दौरान फोन पर बातचीत जल्दी खत्म करने को लेकर पूर्व पार्षद अनवर कादरी और गुंडे हेमंत यादव के बीच विवाद हो गया। इसके बाद जेल प्रहरियों ने बीच-बचाव कर दोनों को अलग कर दिया।

जब विवाद हो रहा था, तब हत्या के आरोप में बंद कृष्णपाल सिंह उर्फ डॉन भी बीच में आ गया। इसके बाद दोनों पक्षों में विवाद और बढ़ गया। जेल प्रशासन ने इस विवाद की पुष्टि नहीं की है, लेकिन इसके बाद कैदियों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

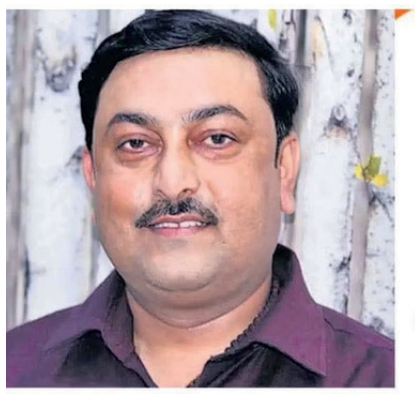

दरअसल, सेंट्रल जेल में कृष्णपाल सिंह उर्फ डॉन बंद है। उसका जन्मदिन था और जेल में उससे मुलाकात लेने उसके साथी गोलू तिवारी और प्रदीप यादव आए थे। खिड़की पर कैदियों से मुलाकातियों की बातचीत फोन पर होती है।

तभी वहां हेमंत यादव भी फोन पर बात कर रहा था। डकैत ने उससे बात जल्दी खत्म करने के लिए कहा, तो दोनों के बीच कहासूनी हो गई। इसके बाद डकैत ने हेमंत को धक्का दे दिया, जिससे विवाद और बढ़ गया। बाद में कृष्णपाल भी बीच में आ गया।

दोनों पक्षों से जुड़े अन्य कैदियों में भी स्थिति को देखते हुए जेल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। तीनों कैदी अलग-अलग बैरक में हैं।अनवर डकैत लव जिहाद की फंडिंग के मामले में जेल में बंद है, जबकि हेमंत यादव पर एक डॉक्टर पर हमला कराने का आरोप है। वह भी लंबे समय से जेल में बंद है।जेल नियमों के अनुसार हफ्ते में दो दिन कैदियों को मुलाकात कराई जाती है। मुलाकात के समय जेल प्हरी भी तैनात रहते हैं।

यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में जमकर तोड़फोड़, छात्रों ने अर्धनग्न होकर डांस किया, रातभर चला हंगामा

इंदौर | इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के आईईटी विभाग के अंतर्गत आने वाले रामानुजनम बी हॉस्टल से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां रविवार रात फाइनल ईयर के छात्रों ने हॉस्टल परिसर के भीतर जमकर उत्पात मचाया। मिली जानकारी के अनुसार, इन छात्रों ने अर्धनग्न अवस्था में दारू बदनाम कर दी गाने पर डांस किया और हॉस्टल की संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया। छात्रों द्वारा की गई इस तोड़फोड़ में टेबल, कुर्सी और यहां तक कि प्लास्टिक की पानी की टंकी भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

घटना से जुड़ा एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है, जिसमें छात्र तोड़फोड़ करते और अर्धनग्न होकर नाचते हुए साफ दिखाई दे रहे हैं। वीडियो के सामने आने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर राकेश सिंघई ने इस मामले पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि घटना में शामिल सभी छात्रों की पहचान की जा रही है और इन सभी पर आर्थिक दंड लगाने के साथ ही सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जाएगी।

तड़के चार बजे अर्धनग्न होकर किया डांस – हॉस्टल सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा यह वीडियो रविवार सुबह लगभग चार बजे के बाद का बताया जा रहा है। इस वीडियो में हॉस्टल परिसर के भीतर बड़ी संख्या में छात्र एकत्रित दिखाई दे रहे हैं। ये सभी छात्र अर्धनग्न हालत में थे और तेज आवाज में बज रहे दारू बदनाम कर दी गाने पर थिरक रहे थे। वीडियो के दृश्यों में साफ देखा जा सकता है कि जहां एक तरफ हॉस्टल की पहली मंजिल पर खड़े कुछ छात्र बाल्टियों में पानी भरकर नीचे मौजूद छात्रों पर डाल रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ नीचे खड़े छात्र पानी में भीगते हुए लगातार नाच रहे हैं। सुबह के वक्त हुए इस ड्रामे के कारण हॉस्टल के अन्य छात्रों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

हॉस्टल परिसर में जमकर मचाया उत्पात – छात्रों का यह हंगामा सिर्फ नाच-गाने तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने हॉस्टल परिसर में जमकर तोड़फोड़ भी की। हुड़दंग मचाते हुए छात्रों ने हॉस्टल में रखी प्लास्टिक की कुर्सियां, पढ़ने की टेबल और अन्य फर्नीचर को उठाकर फेंकना शुरू कर दिया। इस दौरान हॉस्टल की खिड़कियों के कांच भी तोड़ दिए गए। हद तो तब हो गई जब छात्रों ने परिसर में रखी प्लास्टिक की पानी की टंकी को भी निशाना बनाया और उसे पूरी तरह से तोड़ दिया। हॉस्टल के कमरों से लेकर कॉरिडोर तक हर जगह छात्रों द्वारा मचाई गई तबाही के निशान साफ देखे जा सकते हैं।

जांच और कार्रवाई में जुटा विश्वविद्यालय प्रशासन – इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक होने के बाद विश्वविद्यालय प्रबंधन तुरंत हरकत में आ गया है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि हंगामा करने वाले ये सभी छात्र फाइनल ईयर के हैं। इस गंभीर मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए आईईटी विभाग के निदेशक डॉ. प्रतोष बंसल ने तुरंत पूरी घटना की विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय के कुलगुरु को सौंप दी है। कुलगुरु प्रोफेसर राकेश सिंघई ने इस विषय पर स्पष्ट रूप से कहा है कि हॉस्टल में अनुशासनहीनता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सीएम हाउस पहुंचे ट्विशा के परिजनों ने किया हंगामा, बोले-एमपी में न्याय का भरोसा नहीं, एसआईटी पर सवाल

भोपाल | पूर्व जिला जज गिरिबाला सिंह की बहू ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में रविवार को न्याय की मांग को लेकर परिजन मुख्यमंत्री निवास पहुंचे। रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह की बहू ट्विशा के पिता, भाई और अन्य परिजनों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की मांग को लेकर मुख्यमंत्री निवास पर जमकर हंगामा किया। मौके पर श्यामला हिल्स थाना पुलिस बल, थाना प्रभारी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। काफी देर बाद मुख्यमंत्री सचिवालय में ट्विशा शर्मा के पिता नवनिधि शर्मा और भाई मेजर हर्षित शर्मा को मिलने के लिए बुलाया गया।

सीएम से मुलाकात के बाद ट्विशा शर्मा के पिता नवनिधि शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री सचिवालय के अधिकारियों से उनकी मुलाकात हुई, जिसमें अधिकारियों ने माना कि मामले की गंभीरता को देखते हुए बाहरी एजेंसी से जांच की जरूरत हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि शव का दोबारा पोस्टमार्टम कराना भी जरूरी माना है। हालांकि, अधिकारियों ने साफ किया कि न्यायपालिका स्वतंत्र संस्था है और सरकार न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं कर सकती, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया गया है। नवनिधि शर्मा ने कहा कि आरोपी खुद न्यायिक व्यवस्था से जुड़े हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि

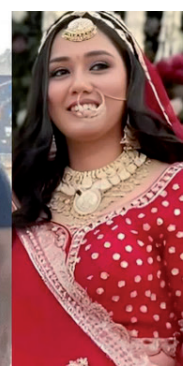

एफआईआर दर्ज होने के बावजूद अब तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई, जबकि दूसरी ओर आरोपियों ने तुरंत अग्रिम जमानत हासिल कर ली।

परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि शुरुआत में महिला थाने ने जीरो एफआईआर लेने से भी इनकार कर दिया था। उनका कहना है कि मीडिया में मामला सामने आने के बाद 15 मई की रात केस दर्ज किया गया। परिवार ने यह भी कहा कि ट्विशा की मौत की जानकारी उन्हें समय पर नहीं दी गई, जबकि पुलिस और संबंधित लोगों की जिम्मेदारी थी कि परिवार को तुरंत सूचना दी जाती। जांच प्रक्रिया को लेकर भी परिवार ने कई सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों, मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की जांच को लेकर स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। परिवार का आरोप है कि पुलिस ने आरोपियों को पर्याप्त समय दिया, जिससे जांच प्रभावित हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एसआईटी बने

मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी पर भी परिजनों ने भरोसा नहीं जताया है। उनका कहना है कि जांच उन्हीं अधिकारियों के दायरे में हो रही है, जिनकी भूमिका पर पहले से सवाल उठ रहे हैं। परिवार ने मांग की है कि सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र एसआईटी बनाकर मामले की जांच कराई जाए। परिजनों ने यह भी कहा कि आरोपी पक्ष के परिचित बड़े बड़े पदों पर बैठे हैं, वे खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उनका कहना है कि वे केवल निष्पक्ष जांच और न्याय चाहते हैं।

इससे पहले परिजन सीएम हाउस के मुख्य द्वार पर काफी देर तक डटे रहे और मामले में निष्पक्ष जांच तथा एम्स दिल्ली में दोबारा पोस्टमार्टम कराने की मांग करते रहे। परिजनों का आरोप है कि एसआईटी में उन्हीं अधिकारियों को शामिल किया गया है, जो शुरुआती दिनों में उनकी शिकायत पर केस दर्ज करने में देरी कर रहे थे। उनका कहना है कि ऐसे में निष्पक्ष जांच की उम्मीद कम है और सबूत प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है। परिजनों ने मामले की जांच मध्य प्रदेश से बाहर किसी अन्य एजेंसी से कराने और केस ट्रांसफर करने की मांग भी उठाई है।

पूर्व जज गिरिबाबा सिंह के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का आरोप

दरअसल, कटारा हिल्स क्षेत्र में रहने वाली 33 वर्षीय ट्विशा शर्मा ने 12 मई की रात अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। ट्विशा की शादी दिसंबर 2025 में भोपाल के वकील समर्थ सिंह से हुई थी। मृतका के परिजनों ने पति और सास पर मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं। परिवार का कहना है कि शादी के बाद से ही ट्विशा परेशान थी। मामले में पुलिस ने समर्थ सिंह और उनकी मां गिरिबाला सिंह के खिलाफ दहेज हत्या और प्रताड़ना की धाराओं में केस दर्ज किया है। गिरिबाला सिंह को अदालत से अग्रिम जमानत मिल चुकी है, जबकि समर्थ सिंह की अग्रिम जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई होनी है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने किए बाबा महाकाल के दर्शन

टी20 वर्ल्ड कप में जीत के लिए मांगा आशीर्वाद, भस्म आरती में हुई शामिल

भोपाल। भारत महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम की खिलाड़ी शनिवार को श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचीं, जहां उन्होंने बाबा महाकाल के दर्शन कर आगामी टी20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन और जीत के लिए आशीर्वाद मांगा। टीम के खिलाड़ियों ने मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और नंदी हाल में बैठकर प्रसिद्ध भस्म आरती में भी हिस्सा लिया। तड़के 3 बजे मंदिर पहुंचीं खिलाड़ी जानकारी के अनुसार भारतीय महिला क्रिकेट टीम के खिलाड़ी शनिवार तड़के करीब 3 बजे अपने परिवार के साथ महाकाल मंदिर पहुंचे। मंदिर परिसर में पहुंचने के बाद खिलाड़ियों ने नंदी हाल में बैठकर भगवान महाकाल का ध्यान लगाया और श्रद्धा के साथ पूजा की। इस दौरान खिलाड़ियों ने नंदी महाराज के कान में अपनी मनोकामनाएं भी कहीं। मंदिर परिसर में सुबह के समय भक्ति और आध्यात्म का विशेष माहौल देखने को मिला। कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित कई खिलाड़ी रहीं मौजूद इस अवसर पर टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित कई खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ मौजूद रहे। टीम

के साथ प्रवीण शर्मा, अमोल मुजुमदार, अरुंधति रेड्डी, श्रेयंका पाटिल, रेणुका सिंह, यस्तिका भाटिया, शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, राधा यादव सहित अन्य सदस्य भी मंदिर पहुंचे। खिलाड़ियों ने परिवार के साथ बाबा महाकाल की आराधना कर सुख, शांति और सफलता की कामना की। खिलाड़ियों ने कहा- यहां मिलती है अद्भुत शांति मंदिर दर्शन के बाद खिलाड़ियों ने कहा कि वे समय-समय पर बाबा महाकाल के दर्शन करने आती हैं और हर बार यहां उन्हें दिव्यता, भव्यता और आत्मिक शांति का अनुभव होता है। खिलाड़ियों ने कहा कि महाकाल की नगरी में आकर सकारात्मक ऊर्जा मिलती है और यहां का वातावरण मन को अलग ही सुकून देता है। उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर के कण-कण में बाबा महाकाल की अनुभूति होती है। मंदिर समिति ने किया सम्मान दर्शन और पूजा के बाद श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंधन समिति की ओर से भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ का स्वागत एवं सम्मान किया गया। मंदिर प्रशासन ने खिलाड़ियों को बाबा महाकाल का प्रसाद और स्मृति चिन्ह भी भेंट किए। खिलाड़ियों के मंदिर आगमन को लेकर श्रद्धालुओं में भी खास उत्साह देखने को मिला।

आरजीपीवी को तीन हिस्सों में बांटने की तैयारी पर सियासत तेज

कांग्रेस की चेतावनी - नाम बदला तो ईंट का जवाब पत्थर से देंगे, बीजेपी का पलटवार

पार्टी नेताओं का कहना है कि विश्वविद्यालय की पहचान और इतिहास को बदलने का प्रयास उचित नहीं है। बीजेपी ने किया पलटवार वहीं भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस के आरोपों का जवाब देते हुए पलटवार किया है।

भोपाल। भोपाल स्थित राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को तीन हिस्सों में बांटने की तैयारी को लेकर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। सरकार मध्यभारत, मालवा और महाकौशल क्षेत्र के लिए अलग-अलग प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय बनाने की दिशा में काम कर रही है। बताया जा रहा है कि इस प्रस्ताव को जल्द ही कैबिनेट में लाया जा सकता है। इसी मुद्दे पर अब कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी आमने-सामने आ गई हैं। कांग्रेस ने सरकार पर साधा

निशाना कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी सरकार पर नाम बदलने की राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सत्ता में आने के बाद लगातार संस्थानों और योजनाओं के नाम बदलने में लगी हुई है। पीसी शर्मा ने साफ कहा कि विश्वविद्यालय का नाम राजीव गांधी के नाम पर ही रहेगा और यदि नाम हटाने की कोशिश की गई तो प्रदेशभर में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर नाम बदला गया तो ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार शिक्षा सुधार के बजाय राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि विश्वविद्यालय की पहचान और इतिहास को बदलने का प्रयास उचित नहीं है।

बीजेपी ने किया पलटवार वहीं भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस के आरोपों का जवाब देते हुए पलटवार किया है। भाजपा प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल ने कहा कि सरकार तकनीकी और इंजीनियरिंग शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए लगातार नीतिगत समीक्षा कर रही है। उन्होंने कहा कि छात्रों, शिक्षकों, शोध और अध्ययन-अध्यापन की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए फैसले लिए जाएंगे। सरकार समय की मांग के अनुसार आवश्यक बदलाव करने के लिए प्रतिबद्ध है। रजनीश अग्रवाल ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस शासनकाल में 900 से अधिक योजनाएं और संस्थाएं एक ही परिवार के नाम पर रखी गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने लाल बहादुर शास्त्री और सुभाषचंद्र बोस जैसे महापुरुषों को भी नजरअंदाज कर दिया। **शिक्षा सुधार या राजनीतिक विवाद?** राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विश्वविद्यालय के पुनर्गठन का मुद्दा अब शिक्षा से ज्यादा राजनीतिक बहस का विषय बनता जा रहा है। सरकार जहां इसे प्रशासनिक और शैक्षणिक सुधार से जोड़कर देख रही है, वहीं विपक्ष इसे पहचान और इतिहास बदलने की कोशिश बता रहा है। सूत्रों के अनुसार सरकार प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में तकनीकी शिक्षा के विस्तार और बेहतर प्रबंधन के उद्देश्य से नए विश्वविद्यालय बनाने पर विचार कर रही है। इससे क्षेत्रीय स्तर पर शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने का दावा किया जा रहा है। **कैबिनेट फैसले पर टिकी नजरें-** अब सभी की नजर संभावित कैबिनेट बैठक पर टिकी है, जहां इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलने की संभावना जताई जा रही है। यदि प्रस्ताव आगे बढ़ता है तो आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर राजनीतिक टकराव और तेज हो सकता है। प्रदेश की राजनीति में यह मामला अब शिक्षा, क्षेत्रीय संतुलन और राजनीतिक पहचान से जुड़ा बड़ा मुद्दा बनता दिखाई दे रहा है।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के खिलाफ महिला कांग्रेस का प्रदर्शन

भोपाल। भोपाल में पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर महिला कांग्रेस ने शनिवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। राजधानी के नानके पेट्रोल पंप पर आयोजित प्रदर्शन में महिला कार्यकताओं ने स्कूटी को धक्का लगाते हुए मार्च निकाला और सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई। प्रदर्शन का नेतृत्व महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी ने किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता शामिल हुईं। महिलाओं ने पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों और महंगाई के खिलाफ नारेबाजी करते हुए केंद्र और राज्य सरकार पर आम जनता की परेशानियों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। धक्का मार्च से जताया विरोध प्रदर्शन के दौरान महिला कार्यकर्ता स्कूटी को धक्का लगाते हुए पेट्रोल पंप तक पहुंचीं। उनका कहना था कि लगातार बढ़ती

ईंधन कीमतों ने आम लोगों का बजट बिगाड़ दिया है और अब वाहन चलाना भी महंगा पड़ने लगा है। धक्का मार्च के जरिए उन्होंने यह संदेश देने की कोशिश की कि महंगे पेट्रोल-डीजल ने आम आदमी की जिंदगी मुश्किल बना दी है। महिला कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पेट्रोल की कीमत कई जगह 109 रुपए प्रति लीटर तक पहुंच गई है। इसके अलावा डीजल और रसोई गैस के दामों में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिससे घरेलू बजट पर भारी असर पड़ रहा है। महंगाई को लेकर सरकार पर हमला रीना बोरासी ने प्रदर्शन के दौरान कहा कि बढ़ती महंगाई से जनता परेशान है।

एमपी में आसमान से बरस रही आग, 12 शहरों का तापमान 43 डिग्री के पार

37 जिलों में लू का अलर्ट, मौसम विभाग ने लोगों को सावधानी बरतने की दी सलाह

भोपाल। मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश के कई शहरों में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया है, जिससे लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। मौसम विभाग ने प्रदेश के 37 जिलों में लू चलने का अलर्ट जारी किया है। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण दिन के समय सड़कें सूनी नजर आ रही हैं। मौसम विभाग के अनुसार ग्वालियर, नौगांव, खजुराहो, छतरपुर, टीकमगढ़, दमोह, सागर, शिवपुरी और रीवा सहित कई शहरों में तापमान लगातार बढ़ रहा है। कुछ इलाकों में पारा 44 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया है। राजधानी भोपाल और इंदौर में भी गर्मी लोगों को परेशान कर रही है। **लू से बचने की सलाह-** मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगले दो से तीन दिनों तक गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम है। दोपहर के समय गर्म हवाएं चलने से लू का खतरा बढ़ गया है।

प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक अनावश्यक बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है। खासतौर पर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को अधिक सतर्क रहने को कहा गया है। विशेषज्ञों ने पर्याप्त पानी पीने, हल्के सूती कपड़े पहनने और धूप में निकलते समय सिर ढककर रखने की सलाह दी है। लगातार बढ़ती गर्मी के कारण अस्पतालों में डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक के मरीजों की संख्या भी बढ़ने लगी है। **किसानों और आम जनजीवन पर असर-** भीषण गर्मी का असर खेती और पशुपालन पर भी दिखाई देने लगा है। खेतों में काम करने वाले किसानों को तेज धूप में परेशानी हो रही है। वहीं बिजली की बढ़ती मांग के चलते कई शहरों और गांवों में बिजली कटौती की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि मई के अंतिम सप्ताह तक प्रदेश में गर्मी का असर बना रह सकता है। हालांकि कुछ क्षेत्रों में हल्के बादल और तेज हवाओं की संभावना भी जताई गई है, लेकिन फिलहाल लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलती नजर नहीं आ रही।

इंदौर में प्लास्टिक फैक्ट्री में भीषण आग

भोपाल /इंदौर। *इंदौर के धार रोड क्षेत्र में शनिवार सुबह एक प्लास्टिक दाना बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरी फैक्ट्री धुएं और लपटों से घिर गई। घटना सुबह करीब 7 बजे की बताई जा रही है। आग से उठता काले धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई दिया, जिससे आसपास के इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सुरक्षा के मद्देनजर आसपास की फैक्ट्रियों और क्षेत्र को खाली कराया गया। सात दमकल गाड़ियां मौके पर तैनात घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन आग की भयावहता को देखते हुए शुरूआती प्रयास नाकाम रहे। इसके बाद अतिरिक्त दमकल वाहनों को बुलाया गया। फिलहाल करीब सात फायर ब्रिगेड गाड़ियां आग बुझाने के काम में जुटी हुई हैं। आग पर नियंत्रण पाने के लिए पोकलेन मशीन, जेसीबी और फायर फाइटिंग रोबोट की भी मदद ली जा रही है। अधिकारियों के अनुसार अब तक करीब 35 टैंकर पानी का इस्तेमाल किया जा चुका है।*

प्लास्टिक सामग्री बनी बड़ी चुनौती

फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में प्लास्टिक दाने और ज्वलनशील सामग्री रखी होने के कारण आग लगातार भड़क रही है। दमकल अधिकारियों का कहना है कि प्लास्टिक सामग्री और टीन शेड के चलते आग बुझाने में काफी दिक्कत आ रही है। जेसीबी मशीनों की सहायता से शेड हटाकर पानी और फोम डाला जा रहा है ताकि आग पर जल्द काबू पाया जा सके।

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

फैक्ट्री कर्मचारियों के मुताबिक आग लगने का शुरूआती कारण डीपी में शॉर्ट सर्किट हो सकता है, हालांकि प्रशासन ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। फैक्ट्री संचालक मोहम्मद जावेद कुरैशी ने बताया कि अमावस्या होने के कारण शनिवार को मजदूर काम पर नहीं आए थे, जिससे बड़ा हादसा टल गया। सामान्य दिनों में फैक्ट्री में 30 से 35 कर्मचारी काम करते हैं।

पानी की कमी से बढ़ी मुश्किल

डिप्टी फायर ऑफिसर अजय कुमार ने बताया कि इलाके में पर्याप्त पानी के स्रोत नहीं होने के कारण राहत कार्य प्रभावित हो रहा है। बाहर से लगातार पानी के टैंकर मंगवाए जा रहे हैं। इसी बीच सांवेर रोड इलाके में रुई के कतरन के गोदाम में भी आग लगने की सूचना मिलने से फायर टीम पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया। प्रशासन ने संभाला मोर्चा नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

भोपाल में शिक्षकों का हल्ला बोल, अभ्यर्थियों का महाआंदोलन आज

भर्ती में पद वृद्धि और दूसरी काउंसलिंग की मांग को लेकर राजधानी में जुटे हजारों युवा

भोपाल। भोपाल में शनिवार को शिक्षक भर्ती 2025 को लेकर बड़ा आंदोलन देखने को मिला। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हजारों अभ्यर्थी अपनी मांगों को लेकर राजधानी पहुंचे और स्कूल शिक्षा विभाग के मुख्य कार्यालय डीपीआई के सामने महा-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में प्रदेश के अलग-अलग जिलों से आए वर्ग-2 और वर्ग-3 शिक्षक भर्ती के उम्मीदवार शामिल हुए। अभ्यर्थियों का कहना है कि लंबे समय से वे अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। पद बढ़ाने और दूसरी काउंसलिंग की मांग आंदोलन कर रहे युवाओं की प्रमुख मांग वर्ग-2 और वर्ग-3 के रिक्त पदों में

सम्मानजनक वृद्धि करना है। अभ्यर्थियों का आरोप है कि कई स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी होने के बावजूद पर्याप्त पद नहीं निकाले गए। इसके अलावा प्रदर्शनकारियों ने दूसरी काउंसलिंग प्रक्रिया जल्द शुरू करने की भी मांग उठाई। उनका कहना है कि कई योग्य अभ्यर्थी अब भी नियुक्ति से वंचित हैं और सरकार को इस दिशा में तुरंत कदम उठाना चाहिए। सरकार पर अनदेखी का आरोप अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि वे पहले भी कई बार शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर चुके हैं, लेकिन सरकार और प्रशासन ने हर बार उनकी मांगों को नजरअंदाज किया। इससे युवाओं में नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक उन्हें लिखित आश्वासन नहीं दिया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। पुलिस और प्रशासन अलर्ट मोड पर हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारियों के भोपाल पहुंचने की सूचना के बाद पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। डीपीआई कार्यालय और आसपास के क्षेत्रों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई जगह बैरिकेडिंग की गई और मुख्य मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। आंदोलन के कारण शहर के कुछ इलाकों में यातायात प्रभावित होने की भी आशंका जताई गई, जिसके लिए ट्रैफिक पुलिस ने विशेष इंतजाम किए। युवाओं ने दी आर-पार की चेतावनी प्रदर्शन में शामिल अभ्यर्थियों ने साफ कहा कि यह आंदोलन उनके भविष्य और रोजगार की लड़ाई है। उनका कहना है कि सरकार यदि जल्द मांगें नहीं मानती तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा। युवाओं का मानना है कि प्रदेश में शिक्षकों के हजारों पद खाली हैं, ऐसे में भर्ती प्रक्रिया को तेजी से पूरा करना सरकार की जिम्मेदारी है।

|| संपादकीय ||

अभिव्यक्ति की आजादी के आवरण में फैलती ईशनिंदा

चुनावी बयार के बाद सनातन विरोधियों के स्वर एक बार फिर मुखरित होने लगे हैं। तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म को लेकर फिर से विवादित बयान दिया। उन्होंने फिर से सनातन धर्म को खत्म करने की बात कही है। है। इस दौरान राज्य के नए मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय उर्फ जोसेफ विजय चंद्रशेखर भी सदन में मौजूद थे जिन्होंने पूरे भाषण को ध्यान से सुना ही नहीं बल्कि अन्त में हाथ जोडकर अपनी सहमति भी जताई। विगत 2023 के 2 सितंबर को योजनाबद्ध ढंग से सनातन उन्मूलन सम्मेलन आयोजित किया गया था जिसमें द्रविड़ मुनेत्र कड़गम यानी डीएमके के नेता उदयनिधि स्टालिन ने कहा था कि कुछ चीजों का विरोध नहीं किया जा सकता, उन्हें खत्म कर देना चाहिए। हम डेंगू, मच्छर, मलेरिया या कोरोना वायरस का विरोध नहीं कर सकते हैं।

हमें इन्हें खत्म करना होगा। इसी तारतम्य में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के तत्कालीन सांसद ए राजा ने भी सनातन धर्म के खिलाफ जमकर जहर उगला था। ए राजा ने कहा था कि सनातन की तुलना एचआईवी और कुष्ठ रोग जैसी सामाजिक कलंक वाली बीमारियों से करनी चाहिए। इसी तरह हम सनातन धर्म का भी विरोध नहीं कर सकते, इसे खत्म करना है। उस समय आपत्तिजनक टिप्पणी से सनातन परम्पराओं को मानने वालों की भावनायें ही आहत नहीं हुई थी बल्कि सम्प्रदायगत संघर्ष की स्थितियां भी निर्मित होने लगीं थी तब विभिन्न राज्यों के उच्च न्यायालयों के 14 पूर्व न्यायाधीशों, 130 पूर्व नौकरशाहों और 118 रिटायर्ड आर्म्ड फोर्सेज ऑफिसर्स सहित देश के 262 प्रतिष्ठित नागरिकों ने सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर तमिलनाडु सरकार में तत्कालीन मंत्री और डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन की सनातन धर्म को खत्म करने वाली टिप्पणी पर संज्ञान लेने का आग्रह किया था। उन्हीं उदयनिधि स्टालिन द्वारा अब विधानसभा में दिये गये वक्तव्य का समर्थन करते हुए सत्ताधारी तमिलगा वेट्री कजगम यानी टीवीके पार्टी के विधायक वी.एम.एस. मुस्तफा ने आग में घी का काम किया है।

उल्लेखनीय है कि वंशवादी परम्परा से जन्मजात नेता बनने वाले उदयनिधि स्टालिन के पिता मुथुवेल करुणानिधि स्टालिन यानी एम.के. स्टालिन तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री रह चुके हैं। उनके भी पिता मुथुवेल करुणानिधि उर्फ एम करुणानिधि भी राज्य के मुख्यमंत्री रहे हैं। तमिलनाडु के इसाई वेल्लार समुदाय के इस परिवार ने हमेशा ही सनातन का खुला विरोध ही नहीं किया बल्कि धर्मगत युद्ध का धरातल तैयार करने में कोई कोर कसर नहीं छोडी। इतिहास गवाह है कि वसुधैव कुटुंबकम की अवधारणा के आधार पर समूची सृष्टि के प्रति सकारात्मक सोच रखने वाले सनातन धर्म की शाश्वत उपस्थिति के संकेत आदिकाल से ही मिलते रहे हैं जिसे महात्मा मूसा ने 3000 वर्ष पूर्व बाइबल ओल्ड टेस्टामेन्ट में, महात्मा जरथुस्त्र ने 2700 वर्ष पूर्व अवेस्ता में, भगवान महावीर ने 2600 वर्ष पूर्व सूत्रग्रन्थ में, महात्मा बुद्ध ने 2500 वर्ष पूर्व त्रिपिटक में, ईसा मसीह ने 2000 वर्ष पूर्व बाइबल न्यू टेस्टामेंट में, हजरत मुहम्मद साहब ने 1400 वर्ष पूर्व कुरान शरीफ में, आदिगुरु शंकराचार्य ने 1200 वर्ष पूर्व, संत कबीर साहब ने 600 वर्ष पूर्व, गुरु नानक देव ने 500 वर्ष पूर्व, स्वामी दयानन्द सरस्वती ने 200 वर्ष पूर्व तथा स्वामी परमानन्द जी ने लगभग 100 वर्ष पूर्व पुष्ट ही किया है। प्रेम, सौहार्द, अपनत्व और भाईचारा की आधारशिला पर स्थापित सनातन पर संकीर्ण मानसिकता के विभाजनाकारियों द्वारा हमेशा ही आघात किया जाता रहा है।

शक्ति, सत्ता और षडयंत्रों का सहारा लेकर हमेशा से ही मीरजाफरों की जमातों ने अपने करतब दिखाने की कोशिशें की हैं। राजनैतिक खेमे ने तो हमेशा ही गिरगिट को अपना आदर्श माना है। चुनावी दौर में माला, मंत्र और मंदिरों का ढोंग रचा। जालीदार टोपी पहनकर मजारों पर चादर चढाई। सफेद पोशाक में मोमबत्ती लेकर चर्चों में गये। जातिगत देवताओं के देवालयों में माथा टेका। अभिनय की चरमसीमा पर पहुंच चुके राजनेताओं की अनेक जमातें वर्तमान के वैश्विक अशान्ति काल में भी अपने षडयंत्रों को अल्पविराम तक नहीं दे रहीं हैं। जन्मजात नेताओं के साथ-साथ सम्प्रदायगत, जातिगत, उपजातिगत, भाषागत, क्षेत्रगत नेताओं की बाढ सी आ गई है। राष्ट्रधर्म को तिलांजलि देकर ये सभी रंगे सियार विभाजनकारी षडयंत्र करने में जुटे हैं। काल के गाल में पहुंचने वाली स्थितियों के संकेत मिलने के बाद भी वे स्वयं को अमर मानते हुए भौतिक संचय में जी जान से जुटे हैं।

कभी धर्म को संघर्ष का मुद्दा बनाया जाता है तो कभी जातियों को लडाने का आधार तैयार किया जाता है। कभी भाषा का भेद पैदा किया जाता है तो कभी क्षेत्रगत वैमनुष्यता फैलाई जाती है। अभिव्यक्ति की आजादी के आवरण में ईशनिंदा करने वाले केवल और केवल सनातन पर ही कुठाराघात करने का साहस कर पाते हैं। उन्हें मालूम है कि शान्ति के पुजारियों को शक्ति की सामर्थ से प्रताडित करना आसान है। अन्य किसी धर्म के विरोध में एक भी शब्द बोलना, मौत को आमंत्रण देने जैसा है। सरलता, विनम्रता और सहयोग जैसे गुणों को सनातन धर्मावलंबियों की कमजोरी मानने वाले आतिताई हमेशा ही मनमानियां करते रहे हैं। अतीतकालीन घटनाओं पर यदि संविधान के विभिन्न अंगों ने स्वतः संज्ञान लेकर तत्काल कडी कार्यवाही की होती तो सदन के अंदर देश के एक बडे वर्ग को अपमानित करने का कोई भी नेता दुस्साहस नहीं हो सकता था। इस तरह के षडयंत्रों को अमली जामा पहनाने वालों को सबक सिखाने हेतु अब आम आवाम को स्वयं ही आगे आना होगा अन्यथा वे बांटो और राज्य करो की आक्रान्ता नीतियों पर सत्ता, शक्ति और सामर्थ से देश के निरीह निवासियों का निरंतर शोषण करते रहेंगे। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

स्वास्थ्य से सिनेमा तक : एआई का बढ़ता दायरा

21वीं सदी के इस दौर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) केवल एक तकनीकी अवधारणा नहीं रह गई है, बल्कि यह हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनती जा रही है। कभी विज्ञान-कथाओं में दिखाई देने वाली यह तकनीक आज स्वास्थ्य सेवाओं से लेकर मनोरंजन उद्योग तक अपनी गहरी छाप छोड़ रही है। एआई का विस्तार जितना तेज़ है, उतना ही व्यापक और प्रभावशाली भी है।

> स्वास्थ्य के बाद एआई का प्रभाव सबसे अधिक सिनेमा और मनोरंजन उद्योग में देखा जा सकता है। आज फिल्म निर्माण में एआई का उपयोग स्क्रिप्ट लेखन, एडिटिंग, विजुअल इफेक्ट्स और यहां तक कि अभिनय में भी हो रहा है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई की क्रांति - स्वास्थ्य सेवाओं में एआई ने अभूतपूर्व परिवर्तन लाए हैं। आज मशीनें जटिल बीमारियों का निदान करने में डॉक्टरों की सहायता कर रही हैं। मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग जैसे तकनीकी मॉडल एक्स-रे, एमआरआई और सीटी स्कैन की रिपोर्ट्स का विश्लेषण कर रोगों की पहचान अधिक सटीकता से कर रहे हैं। कैंसर, हृदय रोग और न्यूरोलॉजिकल विकारों की शुरुआती पहचान अब पहले से अधिक संभव हो पाई है।

इसके अलावा, एआई आधारित रोबोटिक सर्जरी ने ऑपरेशन को अधिक सुरक्षित और सटीक बना दिया है। व्यक्तिगत चिकित्सा की दिशा में भी एआई महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जहां मरीज के जीन, जीवनशैली और मेडिकल इतिहास के आधार पर उपचार तय किया जाता है।

दवा खोज और अनुसंधान में योगदान - दवा निर्माण एक लंबी और महंगी प्रक्रिया होती है, लेकिन एआई इस प्रक्रिया को तेज कर रहा है। एल्गोरिद्म लाखों रासायनिक संयोजनों का विश्लेषण कर संभावित दवाओं की पहचान कर सकते हैं। इससे नई दवाओं के विकास का समय और लागत दोनों कम हो रहे हैं। महामारी जैसे संकटों में एआई ने वैक्सीन विकास में भी अहम योगदान दिया।

शिक्षा और जागरूकता में भूमिका - एआई स्वास्थ्य शिक्षा को भी सुलभ बना रहा है। चैटबॉट्स और वर्चुअल असिस्टेंट मरीजों को प्राथमिक सलाह देने, अपॉइंटमेंट तय करने और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने में मदद कर रहे हैं। इससे ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ रही है।

सिनेमा और मनोरंजन में एआई का जादू - स्वास्थ्य के बाद एआई का प्रभाव सबसे अधिक सिनेमा और मनोरंजन उद्योग में देखा जा सकता है। आज फिल्म निर्माण में एआई का उपयोग स्क्रिप्ट लेखन, एडिटिंग, विजुअल इफेक्ट्स और यहां तक कि अभिनय में भी हो रहा है।

डीपफेक तकनीक के माध्यम से कलाकारों के चेहरे और आवाज़ को डिजिटल रूप से बदला जा सकता है। इससे दिवंगत कलाकारों को भी स्क्रीन पर पुनर्जीवित करने की संभावनाएं पैदा हुई हैं। हालांकि, यह तकनीक नैतिक और कानूनी चुनौतियां भी लेकर आती है।

कंटेंट निर्माण और दर्शकों का अनुभव - एआई दर्शकों की पसंद को समझकर उन्हें व्यक्तिगत सुझाव देता है। नेटफ्लिक्स और अमेजन जैसे प्लेटफॉर्म एआई एल्गोरिद्म के जरिए यह तय करते हैं कि दर्शकों को कौन-सा कंटेंट दिखाया जाए। इससे मनोरंजन का अनुभव अधिक व्यक्तिगत और आकर्षक बन गया है।

साथ ही, एआई आधारित एनिमेशन और वर्चुअल प्रोडक्शन तकनीकों ने फिल्म निर्माण को तेज, सस्ता और अधिक रचनात्मक बना दिया है। अब छोटे बजट की फिल्मों में भी बड़े स्तर के दृश्य प्रभाव संभव हो गए हैं।

चुनौतियां और नैतिक प्रश्न - एआई के बढ़ते उपयोग के साथ कई गंभीर प्रश्न भी उठते हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में डेटा की गोपनीयता और सुरक्षा एक बड़ी चिंता है। वहीं सिनेमा में डीपफेक और एआई जनित कंटेंट से फेक न्यूज और भ्रामक जानकारी फैलने का खतरा बढ़ता है।

इसके अलावा, एआई के कारण रोजगार पर भी प्रभाव पड़ रहा है। कई पारंपरिक नौकरियां खतरे में हैं, जबकि नई स्किल्स की मांग तेजी से बढ़ रही है।

भविष्य की दिशा - एआई का भविष्य अत्यंत संभावनाओं से भरा है। आने वाले समय में यह तकनीक और अधिक उन्नत होगी और जीवन के हर क्षेत्र में गहराई से समाहित हो जाएगी। स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सुलभ और प्रभावी होंगी, वहीं मनोरंजन और भी अधिक इंटरैक्टिव और व्यक्तिगत बन जाएगा।

लेकिन इसके साथ ही यह जरूरी है कि एआई के उपयोग को संतुलित और जिम्मेदारीपूर्ण तरीके से अपनाया जाए। नैतिकता, पारदर्शिता और मानव मूल्यों को ध्यान में रखते हुए ही इसका विकास होना चाहिए।

निष्कर्ष - स्वास्थ्य से सिनेमा तक एआई का बढ़ता दायरा यह दर्शाता है कि तकनीक किस तरह मानव जीवन को नया आकार दे रही है। यह न केवल सुविधाओं को बढ़ा रही है, बल्कि सोचने और काम करने के तरीकों को भी बदल रही है। सही दिशा और संतुलन के साथ एआई मानवता के लिए एक शक्तिशाली वरदान साबित हो सकती है।

चुनाव तू फिर आना

नगर निगम चुनाव की हसरतों में राजनीति ने यह बता दिया कि आइंदा इस सफर की ओट में विकास की परिभाषा बदलेगी। विजन जिस तरह स्थानीय मुद्दों से सभी के आचरण तक पहुंचा, उससे स्वाभाविक तौर पर अंतर आएगा। चार नगर निगमों के बहाने आम नागरिक यह समझ सकता है कि चुनाव में टिके रहने के लिए राजनीति को अपने दूत सही करने पड़ेंगे। अफसोस यह कि पार्षदों से मेयर और मेयर बनने की मेहरबानियों से ये शहर गफलत में हैं, लेकिन शहरी चरित्र और जवाबदेही के विषय घूम फिर कर वापस आ गए। संकल्पों से हटकर राजनीति ने तू-तू, मैं-मैं की रट में एक लाजिमी बहस से किनारा किया और बीच-बीच में लगने लगा कि भाजपा सत्ता को कोस रही और कांग्रेस दिल्ली की सत्ता को कोस रही है। अगर चुनाव पारंपरिक राजनीति में उछलते वैमनस्य पर ही होने हैं, तो हम शहरी व्यवस्था को समझ ही नहीं रहे। यह दीगर है कि पार्टियों ने कुछ शहरी बिंदुओं पर चुनाव की फेहरिस्त बनाई है, लेकिन राज्य के लिए यह द्वार पूरी तरह नहीं खुला। कांग्रेस ने अपने विजन की वकालत में चारों शहरों को अपनी उमंगों से जोडऩे का मंतव्य समझाया। बेहतर होता सत्ता दल इस बहाने हिमाचल के शहरीकरण को संबोधित करता यानी पूरे प्रदेश के शहरों में अगले दशक में क्या तस्वीर होगी। कौन से व्यवस्थागत व ढांचागत परिवर्तन अहम होते। स्थानीय परिवहन या लोकल ट्रांसपोर्ट पर बहुत सा कार्य संभव है। जलापूर्ति और विद्युत आपूर्ति के नक्शे पर शहरीकरण की नई परिभाषा क्या होगी। बेशक नगर निगम चुनावों में हौले से कुछ ऐसे मुद्दे या संकल्प आए हैं, जो शहर को नई दृष्टि से देख रहे हैं। मसलन पर्यटन ने ऊंची आवाज देकर चुनाव से कहा है, 'मैं यहां हूं।' पालमपुर में 'पर्यटन सर्किट' खोजती भाजपा ने एक हुंकार भरा है, तो मंडी का शिवधाम और मंदिर प्रदक्षिणा के करीब चुनाव ने संभावना देखी है।

सोलन की कसौटियां अभी भी नहीं समझीं कि महानगर बनने की आभा को बचाने की कितनी जरूरत है। कांग्रेस और भाजपा के घोषणा पत्रों का एक बड़ा युद्ध धर्मशाला में देखा गया। वादे सफेद चादर पर लिखे दाग हो जाएं, तो कौन अपनी चैन को मुगालते में देखेगा। यह इसलिए कि हर पार्टी और पार्टियों की हर सरकार ने शहरों को सियासत का मुर्गा बना दिया। राजनीति प्रभाव से कई सिंह द्वार अगर किसी विधानसभा क्षेत्र की पहचान हैं, तो यह कारनामा सिर्फ प्रचार है। प्रतीक और चिन्ह ढूंढते नेताओं ने हिमाचल की समग्रता को समझा ही नहीं। हर शहर अगर एक आर्थिक केंद्र तथा रोजगार का मंच है, तो विकास की योजनाएं इस आधार को आकार देतीं। हिमाचल के कई कस्बे व शहर अपने वजूद में, पर्यटन की मौलिकता के साथ हाजिर हैं, तो इनका विकास इसी लिहाज से होना चाहिए। कुछ शहर शिक्षा के हब बन रहे हैं, तो कुछ खेल गतिविधियों के केंद्र। कुछ युवा पर्यटकों के आकर्षण में फल फूल रहे, तो कई अन्य आयोजन के कारण मशहूर हैं। किसी शहर के नक्षत्र वहां के मंदिर तय कर रहे हैं, तो योजना अलग-अलग प्रारूप में होनी चाहिएं। क्या चुनाव के बाद मंडी को हम सांस्कृतिक राजधानी की क्षमता में खड़ा कर पाएंगे। क्या पालमपुर अपने परिवेश में चाय के बागीचों के संतुलन से 'पर्यटन सर्किट' का इतिहास लिखेगा। क्या सोलन अपनी रफ्तार को चंडीगढ़-शिमला के बीच साझा कर पाएगा। इसी फेहरिस्त में सबसे अधिक तखल्लुस ओढऩे वाला मिनी ल्हासा, शीत कालीन राजधानी, खेल नगरी, इवेंट नगरी और स्मार्ट सिटी का खिताब धारण किए हुए धर्मशाला से किए गए वादे निभाए जाएंगे। सुनने में चुनाव बहुत अच्छे लगते हैं। नेताओं के मिजाज बहुत अच्छे लगते हैं, मगर फिर शहरी हालात अगले चुनाव तक अपनी इच्छाओं का पिटारा उठाए रहते हैं।

जनरल नॉलेज

क्या स्पेस में भी होता है सूर्यास्त और सूर्योदय, जानें अंतरिक्ष यात्रियों को यह कैसे आता है नजर?

सूरज का उगना और डूबना धरती पर सबसे खूबसूरत नजारों में से एक है. यह आसमान को नारंगी, लाल और सुनहरे रंगों से रंग देता है. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि अंतरिक्ष में मौजूद अंतरिक्ष यात्री भी ऐसा ही कुछ अनुभव कर पाते हैं या नहीं? आइए जानते हैं क्या है इस सवाल का जवाब.

अंतरिक्ष में सूर्योदय - इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन धरती के चारों तरफ लगभग 28000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चक्कर लगाता है. इस जबरदस्त रफ्तार की वजह से स्टेशन लगभग हर 90 मिनट में ग्रह का एक पूरा चक्कर लगा लेता है. इसका मतलब है कि इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर मौजूद अंतरिक्ष यात्री हर 45 मिनट में एक बार सूरज को उगते और डूबते हुए देखते हैं. पूरे 24 घंटे की अवधि में वे लगभग 16 बार सूरज को उगते और 16 बार डूबते हुए देखते हैं.

धरती पर रहने वाले लोगों के उलट जो हर 24 घंटे में दिन से रात में एक क्रमिक बदलाव का अनुभव करते हैं, अंतरिक्ष यात्री पूरे दिन बार-बार रोशनी और अंधेरे के बीच आते जाते रहते हैं.

अंतरिक्ष में सूरज का उगना कैसा दिखता है? - अंतरिक्ष में सूरज का उगना बिल्कुल अलग दिखता है. ऐसा इसलिए क्योंकि अंतरिक्ष में कोई वायुमंडल नहीं होता. धरती पर वायुमंडल सूरज की रोशनी को बिखेर देता है इस वजह से दिन में आसमान नीला और शाम को सूरज डूबते समय रंगीन दिखाई देता है. लेकिन अंतरिक्ष में आसमान हमेशा पूरी तरह से काला दिखाई देता है, अब भले ही सूरज कितनी भी तेज चमक रहा हो.

अंतरिक्ष में दिन पलक झपकते ही रात में बदल जाता है - पृथ्वी और अंतरिक्ष के बीच एक और बड़ा अंतर यह है कि यह बदलाव कितनी तेजी से होता है. पृथ्वी पर सूरज धीरे-धीरे डूबता है और आसमान समय के साथ धीरे-धीरे गहरा होता जाता है. अंतरिक्ष में यह बदलाव लगभग तुरंत हो जाता है. जैसे ही इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पृथ्वी के पीछे जाता है सूरज की रोशनी कुछ ही सेकंड में गायब हो जाती है. अंतरिक्ष यात्री अचानक पूरी तरह से अंधेरे में डूब जाते हैं.

हर दिन 16 बार दिन और रात का चक्र अनुभव करने से इंसान के शरीर का प्राकृतिक नींद का सिस्टम खराब हो सकता है. पृथ्वी पर शरीर नींद, ऊर्जा और हार्मोन को नियंत्रित करने के लिए दिन और रात के सामान्य 24 घंटे के चक्कर पर निर्भर रहता है. नींद की समस्या और थकान से बचने के लिए इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर मौजूद अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी के समय के हिसाब से बनाए गए शेड्यूल का पालन करते हैं. स्टेशन के अंदर लगे खास एलइडी लाइटिंग सिस्टम को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि वे प्राकृतिक दिन और रात के माहौल जैसा ही अनुभव दें.

टेक्नोलॉजी

WhatsApp का नया धमाका! अब View Once मैसेज खुद हो जाएंगे गायब, iPhone यूजर्स के लिए शुरू हुई सीक्रेट टेस्टिंग

अपने यूजर्स के लिए एक नया प्राइवेसी फीचर टेस्ट कर रहा है, जो मैसेज सुरक्षा को पहले से ज्यादा एडवांस बना सकता है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी ऐसा फीचर ला रही है जिसमें डिसअपीयरिंग मैसेज केवल तय समय के बाद नहीं बल्कि पढ़े जाने के बाद खुद-ब-खुद डिलीट हो जाएंगे. यह फीचर पहले Android बीटा वर्जन में देखा गया था और अब iPhone यूजर्स के लिए भी इसकी टेस्टिंग शुरू हो गई है.

iPhone बीटा यूजर्स को मिला नया After Reading ऑप्शन

रिपोर्ट के अनुसार, यह फीचर फिलहाल कुछ iPhone बीटा टेस्टर्स को मिल रहा है जो Apple के TestFlight प्रोग्राम के जरिए WhatsApp का बीटा वर्जन इस्तेमाल कर रहे हैं. कुछ सामान्य App Store यूजर्स को भी यह फीचर सीमित रूप से दिखाई दे सकता है. नई सेटिंग After Reading नाम से डिसअपीयरिंग मैसेज सेक्शन में दिखाई दे रही है. इसकी मदद से यूजर यह तय कर सकेंगे कि सामने वाला व्यक्ति मैसेज पढ़ने के कितनी देर बाद वह अपने-आप डिलीट हो जाए.

पढ़ने के बाद शुरू होगा टाइमर

अब तक WhatsApp में डिसअपीयरिंग मैसेज का टाइमर मैसेज भेजते ही शुरू हो जाता था. लेकिन नए फीचर में टाइमर तभी एक्टिव होगा जब रिसीवर मैसेज पढ़ लेगा. यूजर्स 5 मिनट, 1 घंटा या 12 घंटे का टाइमर चुन सकेंगे. अगर सामने वाला व्यक्ति 24 घंटे तक मैसेज नहीं खोलता है, तो WhatsApp उसे अपने-आप हटा देगा. यानी मैसेज बिना पढ़े भी ज्यादा समय तक चैट में नहीं रहेगा.

पुराने डिसअपीयरिंग फीचर के साथ भी करेगा काम

यह नया फीचर WhatsApp के मौजूदा disappearing messages सिस्टम के साथ ही काम करेगा. अभी प्लेटफॉर्म 24 घंटे, 7 दिन और 90 दिन वाले टाइमर विकल्प देता है. यूजर इन्हें किसी एक चैट पर या सभी नई चैट्स के लिए डिफॉल्ट रूप में लागू कर सकते हैं. हालांकि नया After Reading फीचर पूरी तरह ऑप्शनल बताया जा रहा है. यानी यह अपने-आप चालू नहीं होगा और यूजर को इसे मैन्युअली ऑन करना पड़ेगा. जिन चैट्स में यह फीचर एक्टिव नहीं होगा, वहां पुरानी सेटिंग्स पहले की तरह काम करती रहेंगी.

भेजने और पढ़ने वाले के लिए अलग-अलग टाइमिंग

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि मैसेज भेजने वाले की कॉपी चुने गए टाइमर के हिसाब से हट सकती है जबकि रिसीवर की तरफ टाइमर मैसेज पढ़ने के बाद शुरू होगा. इससे दोनों यूजर्स के लिए मैसेज एक्सपायर होने का समय अलग हो सकता है. फिलहाल WhatsApp ने यह साफ नहीं किया है कि यह फीचर सभी यूजर्स के लिए कब तक जारी किया जाएगा. लेकिन आने वाले हफ्तों में इसे ज्यादा बीटा टेस्टर्स तक पहुंचाया जा सकता है.

"नीदरलैंड ट्यूलिप तो भारत है कमल की धरती, दोनों देशों की दोस्ती में है खेल और तरक्की का दम

एजेंसी "द हेग

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीदरलैंड के दौरे पर भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की। लोगों ने पूरे जोश के साथ पीएम मोदी का स्वागत किया। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारतीय समुदाय को संबोधित करने के दौरान पीएम मोदी ने दोनों देशों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने में उनकी अहम भूमिका पर जोर दिया। पीएम मोदी ने अपने संबोधन के दौरान ट्यूलिप और कमल का भी जिक्र किया। उन्होंने नीदरलैंड को ट्यूलिप और भारत को कमल की धरती बताया। मोदी ने हॉकी और क्रिकेट में भी भारत-नीदरलैंड संबंधों को मजबूत बताया।

कमल और ट्यूलिप का किया जिक्र पीएम मोदी ने कहा, "साथियों, नीदरलैंड ट्यूलिप की धरती है और यहां के खूबसूरत ट्यूलिप्स को देखने के लिए दुनिया भर के लोग यहां आते हैं। भारत में भी दुनिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन में से एक हमारे जम्मू-कश्मीर में है श्रीनगर और जिस तरह नेदरलैंड को ट्यूलिप्स के लिए जाना जाता है, वैसे ही भारत लोटस यानी कमल के लिए जाना जाता है। साथियों ट्यूलिप और कमल, दोनों फूल हमें बताते हैं कि जड़े चाहे पानी में हो या धरती पर अगर सही पोषण मिले तो सुंदरता भी मिलती है और स्ट्रेंथ भी आ जाती है। यही भारत और नेदरलैंड के बीच पार्टनरशिप का भी आधार है।" मोदी ने आगे कहा, "हमारे बीच दोस्ती की एक और कड़ी है, जिसकी उतनी चर्चा नहीं होती और वह है स्पोर्ट्स। हम दोनों देश स्पोर्ट्स के क्षेत्र में बहुत कुछ मिलकर कर रहे हैं। अब जैसे क्रिकेट है नेदरलैंड की क्रिकेट में भारतीय समुदाय का बहुत बड़ा योगदान है। अभी भारत में T20 वर्ल्ड कप हुआ, उसमें नीदरलैंड की टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया। भारत वर्ल्ड कप चैंपियन है। लेकिन, भारत की टीम को भी नीदरलैंड की टीम ने बहुत बड़ी टक्कर दी थी।" पीएम मोदी ने कहा, "जब हम तेजा निदाम नूरू और विक्रमजीत सिंह को नीदरलैंड की जर्सी में देखते हैं या फिर जब आर्यन दत्त जैसे युवा खिलाड़ी डच क्रिकेट के फ्यूचर में कंट्रीब्यूट करते हैं तो हम सभी को बहुत अच्छा लगता है। साथियों जैसे क्रिकेट में भारतीयों का योगदान है। वैसे ही भारत की हॉकी में नीदरलैंड का भी बड़ा कंट्रीब्यूशन है। भारत की हॉकी को और अधिक निखारने में डच कोचिंग की भी मेहनत रही है। हमारी वीमेन हॉकी टीम बीते कुछ समय शानदार परफॉर्मेंस कर रही है। इसमें कोच मरीन का अहम रोल है। और इस वक्त तो हॉकी वर्ल्ड कप का होस्ट नेदरलैंड भी है। और आप सभी को भारत के मैच देखने तो जाना ही यह बात पक्की है कि वर्ल्ड कप जो भी कोई जीते। लेकिन, इतना पक्का है कि इस ओलंपिक में भारत और नीदरलैंड की दोस्ती जरूर जीतेगी।"

चीन में ट्रंप के काफिले में दिखी रहस्यमयी SUV, विशालकाय छत ने खींचा सबका ध्यान

एजेंसी बीजिंग

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे पर एक रहस्यमयी चीनी कार ने सबका ध्यान खींचा। यह कार बीजिंग में डोनाल्ड ट्रंप के काफिले में नजर आई थी। इसकी बनावट इतनी अजीबोगरीब थी कि जिसने भी देखा वो हैरान रह गया। उनके काफिले में ऐसी दो भारी-भरकम चीनी एसयूवी थीं, जिनकी छतें कस्टम-डिजाइन की गई थीं। उनकी छतों का आकार काफी विशाल था। यह एक ऐसा डिजाइन था, जिसे पहले कभी नहीं देखा गया था। ट्रंप के काफिले में कई और गाड़ियां भी थीं, जिनकी छतों पर कुछ दिलचस्प चीजें लगी हुई थीं। ये अनोखी चीनी एसयूवी सबसे पहले 13 मई को तब नजर आईं, जब ट्रंप का काफिला बीजिंग से गुजर रहा था। अमेरिकी राष्ट्रपति की इस राजकीय यात्रा के दौरान ये अजीबोगरीब दिखने वाली चीनी एसयूवी पूरे समय काफिले का हिस्सा बनी रहीं। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने भी इन गाड़ियों के बारे में बताने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि इन चीनी एसयूवी को सीक्रेट सर्विस के एजेंट नहीं चला रहे थे। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि ये गाड़ियां बीजिंग में अमेरिकी दूतावास की थीं या फिर चीनी सरकार की।

अमेरिका के किसी भी राष्ट्रपति की विदेश यात्रा को सुरक्षित और सफल बनाने के लिए सीक्रेट सर्विस और दूसरी अमेरिकी एजेंसियां बड़ी संख्या में गाड़ियां और अन्य साजो-सामान को साथ लेकर जाती हैं। इसके अलावा, जिस देश या इलाके में अमेरिकी राष्ट्रपति की यात्रा होती है, वहां पहले से मौजूद विदेश विभाग और अन्य अमेरिकी सरकारी संसाधनों का भी इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे मौकों पर अमेरिकी राष्ट्रपतियों की सुरक्षा में स्थानीय सुरक्षा बल की भी मदद ली जाती है। ट्रंप के काफिले में जो दो ऊंची छत वाली एसयूवी गाड़ियां दिखीं, वे चीनी कंपनी Hongqi के मौजूदा मॉडलों में से ही एक पर आधारित हैं। काफिले में दो और एसयूवी भी थीं, जिनकी छतों में कुछ खास बदलाव किए गए थे—एक शेवी सबअर्बन और एक लिंकन नेविगेटर थी। इनके अलावा, एक फोर्ड ई-सीरीज वैन भी थी, जिसकी छत में भी साफ तौर पर बदलाव किए गए थे। ये सभी अमेरिकी-डिजाइन वाली गाड़ियां चीन में उपलब्ध हैं, और इन सभी पर चीनी नंबर प्लेट लगी हुई थीं। हालांकि, शेवी सबअर्बन पर एक काली नंबर प्लेट थी, जिस पर सफेद रंग से अक्षर लिखे थे। इस तरह की नंबर प्लेटें आमतौर पर विदेशियों के स्वामित्व वाली गाड़ियों को दी जाती हैं, जिससे यह अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि यह गाड़ी बीजिंग स्थित अमेरिकी दूतावास की हो सकती है। वहीं दूसरी ओर, चीन ने पिछले कुछ सालों में कुछ खास तरह की 'डिप्लोमैटिक' (राजनयिक) नंबर प्लेटें भी जारी की हैं, जो काले और सफेद रंग की होती हैं, लेकिन उन पर लाल रंग के चीनी अक्षर भी बने होते हैं—जो इस मामले में देखने को नहीं मिले। हालांकि, ट्रंप के काफिले में शामिल मॉडिफाइड Hongqi एसयूवी सबसे अलग दिख रगी थी, जिसने सबसे ज्यादा लोगों का ध्यान खींचा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह एसयूवी इलेक्ट्रॉनिक वॉरफ़ेयर सिस्टम, डायरेक्टेड एनर्जी वेपन, या कम्युनिकेशन सिस्टम से लैस हो सकती है। आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम और डायरेक्टेड एनर्जी वेपन आजकल ड्रोन खतरों का सामना करने के लिए वीआईपी काफिले में आम होते जा रहे हैं। ऊंची छत होने के कारण इसमें भारी-भरकम उपकरण लगाए जा सकते हैं और उनमें काम करने वाले लोग खड़े हो सकते हैं। ऐसी भी संभावना जताई जा रही है कि एसयूवी की छत का कुछ हिस्सा खोला जा सकता है, जिससे अंदर खड़ा शख्स आसमान पर चारों ओर निगाह रख सकता है।

ईरान ने अपने इस कदम से बढ़ाई दुनिया की धड़कनें, होर्मुज के लिए तैयार किया नया ट्रैफिक मैकेनिज्म

एजेंसी तेहरान

ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रमुख इब्राहिम अज़ीज़ी के हवाले से बताया कि ईरान होर्मुज़ जलडमरूमध्य से समुद्री यातायात को विनियमित करने के लिए एक नई व्यवस्था शुरू करने की तैयारी कर रहा है। अज़ीज़ी ने कहा कि तेहरान ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस जलमार्ग से जहाजों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए एक निर्धारित मार्ग को अंतिम रूप दे दिया है और जल्द ही इसके बारे में और जानकारी दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रस्तावित व्यवस्था के तहत दी जाने वाली विशेष सेवाओं के लिए ईरान आवश्यक शुल्क लगाने की योजना बना रहा है। अज़ीज़ी के अनुसार, यह मार्ग अमेरिकी नेतृत्व वाली 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' समुद्री पहल से जुड़े ऑपरेटरों के लिए सुलभ नहीं होगा, जिसे वाणिज्यिक जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित निकालने के लिए शुरू किया गया था। तेहरान ने इस अभियान की आलोचना करते हुए इसे वाशिंगटन और उसके सहयोगियों द्वारा महत्वपूर्ण शिपिंग कॉरिडोर तक पहुंच पर ईरान के प्रभाव को कम करने का प्रयास बताया है।

उन्होंने आगे कहा कि इस व्यवस्था से केवल वाणिज्यिक जहाजों और ईरान के साथ सहयोग करने वाले पक्षों को ही लाभ उठाने की अनुमति होगी। अमेरिका या इज़राइल का नाम लिए बिना, अज़ीज़ी ने दोहराया कि यह जलमार्ग उन देशों के लिए बंद रहेगा जिन्हें ईरान का शत्रु माना जाता है। अज़ीज़ी ने एक्स पर लिखा कि यह मार्ग तथाकथित 'स्वतंत्रता परियोजना' के संचालकों के लिए बंद रहेगा। ये घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आए हैं जब होर्मुज जलडमरूमध्य में लगातार व्यवधान वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव डाल रहा है और सीमित तेल आपूर्ति को लेकर चिंताओं के बीच कई देशों को मितव्ययिता उपायों को अपनाने के लिए मजबूर कर रहा है। साथ ही, नाजुक युद्धविराम के बावजूद अमेरिका-ईरान वार्ता अनिश्चित बनी हुई है, और दोनों पक्ष एक-दूसरे को धमकियां दे रहे हैं। इस बीच, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने शुक्रवार को कहा कि तेहरान को अमेरिका से संदेश मिले हैं जिनसे संकेत मिलता है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का प्रशासन पश्चिम एशिया में संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से बातचीत जारी रखने के लिए तैयार है। ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद नई दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए अराघची ने कहा कि वाशिंगटन द्वारा ईरान के प्रस्ताव को खारिज करने की पहले की खबरें ट्रम्प द्वारा कुछ दिन पहले दिए गए बयानों पर आधारित थीं। हालांकि, उन्होंने कहा कि अमेरिका के नए संदेशों से बातचीत और सहयोग जारी रखने की इच्छा का संकेत मिलता है। अराघची ने यह भी स्पष्ट किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान के साथ"युद्ध में शामिल देशों को छोड़कर सभी देशों के लिए खुला है, और कहा कि तेहरान जलमार्ग के माध्यम से समुद्री पारगमन को सुविधाजनक बनाने के लिए तैयार है।

पाकिस्तान की रक्षा बजट में भारी बढ़ोतरी की तैयारी, 100 अरब रुपए बढ़ाने का प्लान, आखिर किससे डरे हुए हैं मुनीर

एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तान अपने रक्षा बजट को बड़े पैमाने पर बढ़ाने की तैयारी में है। अगले वित्त वर्ष में देश के रक्षा बजट में 100 अरब (पाकिस्तानी रुपए) बढ़ाने की योजना है। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) समर्थित सुधार कार्यक्रम के तहत एक नया बजट तैयार कर रही है, जिसमें राजस्व में भारी वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। इसे देखते हुए असीम मुनीर के नेतृत्व वाली सेना के लिए मोटी रकम आवंटित की जाएगी, जिन्हें इस समय पाकिस्तान का असली शासक माना जाता है। IMF के कर्मचारियों की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए पाकिस्तानी अखबार डॉन ने बताया है कि वर्ष 2026-27 के लिए रक्षा खर्च 2.665 ट्रिलियन रुपए रहने का अनुमान है। यह मौजूदा वित्त वर्ष में 2.564 ट्रिलियन रुपए है। 2026-27 में पाकिस्तान का संघीय राजस्व 17.144 ट्रिलियन रुपए पहुंचने की उम्मीद है, जो मौजूदा वर्ष की तुलना में दो ट्रिलियन की वृद्धि दिखाता है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) का एक प्रतिनिधिमंडल इस समय पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में मौजूद है। डेलीगेशन के लोग साल 2026-27 के बजट से संबंधित चर्चाओं को अंतिम रूप देने का काम कर रहा है। यह बजट अगले महीने की शुरुआत में कैबिनेट और संसद के सामने पेश किए जाने की उम्मीद है। IMF-समर्थित योजना के तहत पाकिस्तान की संघीय और प्रांतीय सरकारों के संयुक्त खर्च में जीडीपी के 0.2 फीसदी की वृद्धि का अनुमान है। इससे यह बढ़कर 4.227 ट्रिलियन PKR तक पहुंच जाएगा। सरकार ने जून 2027 तक सभी संघीय और प्रांतीय भुगतानों के डिजिटलीकरण को पूरा करने का भी संकल्प लिया है। असीम मुनीर के पाकिस्तानी आर्मी का चीफ बनने के बाद से हथियार खरीद और सैन्य ताकत बढ़ाने पर जोर दिया गया है। खासतौर से बीते साल भारत के साथ हुए सैन्य संघर्ष के बाद से पाकिस्तानी सेना और सरकार के बीच एक डर और बेचैनी साफ देखी गई है। भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तानी आर्मी ने ताकत बढ़ाने की कसमें बार-बार खाई हैं। कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद बीते साल मई में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया था। इस ऑपरेशन के तहत भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में हवाई हमले किए थे। पाकिस्तान ने इन हमलों के बाद अपनी कमजोरी को महसूस करते हुए सैन्य ताकत बढ़ाने का काम किया है। हालांकि सार्वजनिक तौर पर पाकिस्तान अपनी जीत का दावा करता रहा है।

पाकिस्तान के रावलपिंडी में भीषण जल संकट, बूँद-बूँद पानी को तरस रहे लोग, गहराया पानी का संकट

एजेंसी रावलपिंडी

रावलपिंडी और उसके छावनी क्षेत्रों में पानी का संकट और भी गंभीर होता जा रहा है, जिससे निवासियों के अनुसार वर्षों की प्रशासनिक लापरवाही और खराब शहरी नियोजन की खामियां उजागर हो रही हैं। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, भीषण गर्मी और पुरानी अवसंरचनाओं के ध्वस्त होने से शहर के कई हिस्सों में पानी की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक, भूमिगत जल भंडार में तेजी से गिरावट के कारण संकट और भी गहरा गया है। अधिकारियों ने बताया कि कई क्षेत्रों में भूजल स्तर लगभग 800 फीट तक गिर गया है, जिससे दशकों पुराने कई ट्यूबवेल बेकार हो गए हैं। सरकार द्वारा स्थापित बड़ी संख्या में मोटरें, जिनमें से कई 1990 के दशक से चल रही हैं, या तो जल गई हैं या अत्यधिक दबाव के कारण काम करना बंद कर चुकी हैं।

बार-बार बिजली कटौती और अनियोजित लोड-शेयरिंग ने स्थिति को और भी खराब कर दिया है। यहां तक कि चालू ट्यूबवेल भी निर्बाध आपूर्ति प्रदान करने में असमर्थ हैं, जिससे हजारों घरों को प्रतिदिन लंबे समय तक पानी नहीं मिल पा रहा है। निवासियों की शिकायत है कि पिछले वर्षों में बार-बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद, अधिकारियों ने गर्मी के मौसम में पानी की मांग में होने वाली अनुमानित वृद्धि के लिए तैयारी नहीं की। सादिकबाद, धोके हस्सू, पीरवाधाई और चकलाल सहित कई घनी आबादी वाले इलाके सबसे अधिक प्रभावित हैं। इन इलाकों में परिवारों को पानी लाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है, जिसमें महिलाओं और बच्चों का बोझ सबसे अधिक है। नागरिकों में निराशा तेजी से बढ़ रही है और वे नगर निगम एजेंसियों पर उदासीनता का आरोप लगा रहे हैं। इस बीच, बढ़ती मांग के कारण निजी टैंकर संचालकों ने दरों में भारी वृद्धि की है। छोटे पानी के टैंकर लगभग 1,500 रुपये में बिक रहे हैं, जबकि बड़े टैंकरों की कीमत अब 3,000 से 3,300 रुपये के बीच है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, अपेक्षाकृत सस्ती सरकारी टैंकर सेवाओं की तलाश कर रहे निवासियों का कहना है कि पानी की आपूर्ति अक्सर कई दिनों के इंतजार के बाद ही होती है। कई शोधन संयंत्रों के बंद होने से जन स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। शोधन सुविधाओं के बंद होने के बाद से लगभग दो महीने से स्वच्छ पेयजल अनुपलब्ध है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद पंजाब आब-ए-पाक प्राधिकरण ने पौधों को बहाल करने में विफल रहा है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि तत्काल सुधारात्मक उपाय नहीं किए गए तो वे प्रदर्शन करेंगे।

'सिंधु जल संधि' पर भारत का सख्त रुख बरकरार, 'मध्यस्थता कोर्ट' के फैसले को MEA ने फिर नकारा

एजेंसी नई दिल्ली

भारत सरकार ने सिंधु जल संधि से जुड़े मामले में तथाकथित 'मध्यस्थता कोर्ट' के फैसले को पूरी तरह खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि 15 मई को इस तथाकथित अदालत ने 'अधिकतम जल-भंडारण' से जुड़े मुद्दे पर एक निर्णय जारी किया, जिसे भारत मान्यता नहीं देता। बता दें कि बीते साल अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के तहत सिंधु जल संधि को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया गया है। भारत ने साफ कर दिया है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद का समर्थन करना बंद नहीं करता, तब तक यह संधि स्थगित रहेगी।

विदेश मंत्रालय ने साफ शब्दों में कहा कि भारत ने कभी भी इस तथाकथित 'मध्यस्थता कोर्ट' के गठन को स्वीकार नहीं किया। सरकार के मुताबिक, इस अदालत की ओर से जारी कोई भी कार्यवाही, फैसला या निर्णय पूरी तरह शून्य और अमान्य है। भारत ने दोहराया कि पहले दिए गए सभी फैसलों की तरह इस नए फैसले को भी सिरे से खारिज किया जाता है।

भारत सरकार ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि सिंधु जल संधि को फिलहाल स्थगित रखने का फैसला अभी भी लागू है। विदेश मंत्रालय के बयान से संकेत मिले हैं कि भारत इस मुद्दे पर अपने रुख में कोई नरमी दिखाने के मूड में नहीं है और राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देगा।

जल विवाद को लेकर बढ़ सकती है कूटनीतिक तनातनी सिंधु जल संधि को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से विवाद बना हुआ है। ऐसे समय में भारत का यह कड़ा बयान दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव को और बढ़ा सकता है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी इस मुद्दे को लेकर नई बहस छिड़ने की संभावना जताई जा रही है।

'भारत अपनी संप्रभुता से समझौता नहीं करेगा' विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के बयान को भारत की स्पष्ट और सख्त कूटनीतिक लाइन माना जा रहा है। सरकार ने संकेत दिया है कि देश की संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों से जुड़े मामलों में किसी भी बाहरी या 'गैरकानूनी' व्यवस्था को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

चेन्नई बनाम हैदराबादः बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम के पास होगा मौका

चेन्नई, एजेंसी | अब तक अधिकतर मैचों में अपने बल्लेबाजों के दम पर जीत हासिल करने वाली चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और सनराइजर्स हैदराबाद की टीम सोमवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में आमने-सामने होगी तो बल्लेबाजी विभाग में अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम की जीत की संभावना अधिक रहेगी। प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए इन दोनों टीम के लिए यह मैच बेहद महत्वपूर्ण है। हैदराबाद हालांकि चेन्नई की तुलना में बेहतर स्थिति में है। उसके 12 मैच में 14 अंक है और अभी वह अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है।

चेन्नई की टीम के 12 मैच में 12 अंक हैं और वह छठे स्थान पर है। जैसे कि उसके बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने कहा था, उनके लिए अब बाकी बचे दोनों मैच फाइनल जैसे हो गए हैं।

चेन्नई के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने अब तक जब भी अच्छा प्रदर्शन किया तब टीम को जीत मिली। ऐसे में उसकी संभावना बरकरार रखने के लिए संजू सैमसन, रुतुराज गायकवाड, उर्विल पटेल और कार्तिक शर्मा को अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ पिछले मैच में इनमें से केवल कार्तिक ने ही अच्छा प्रदर्शन किया था। उनके अलावा शिवम दुबे ने अंतिम ओवरों में आक्रामक पारी खेली थी लेकिन उसके गेंदबाज 188 रन के लक्ष्य का बचाव नहीं कर पाए थे।

तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज ने इससे पहले अपनी विकेट लेने की योग्यता का अच्छा नमूना पेश किया था लेकिन पिछले मैच में उन्होंने केवल 2.4 ओवर में 63 रन लुटा दिए थे। उनका इकोनोमी रेट 23.62 रहा जो टी20 क्रिकेट में कम से कम 15 गेंद करने वाले गेंदबाज का सबसे खराब प्रदर्शन है। उन्हें शीघ्र अपनी लय हासिल करनी होगी।

जहां तक सनराइजर्स की बात है तो कभी उसकी बल्लेबाजी टूर्नामेंट में सबसे मजबूत नजर आती है लेकिन कभी वह फिसड्डी साबित हो जाती है जैसा कि पिछले मैच में हुआ। गुजरात टाइटंस के खिलाफ 169 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उसकी पूरी टीम 86 रन पर आउट हो गई थी।

सनराइजर्स को उस शर्मनाक प्रदर्शन को भुलाकर जल्द से जल्द अपने पुराने तेवर दिखाने होंगे। इसके लिए जरूरी है कि अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड और इशान किशन अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखें। अब तक लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले हेनरिक क्लासेन भी पिछले मैच में नहीं चल पाए थे।

जहां तक सनराइजर्स की गेंदबाजी की बात है तो उसके कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस किफायती साबित हुए हैं लेकिन इशान मलिंगा पिछले मैच में महंगे साबित हुए थे। चेपॉक की धीमी पिच पर उसके स्पिनर शिवांग कुमार की भूमिका भी अहम होगी।

इन दोनों टीम के बीच जो पिछला मैच खेला गया था उसमें सनराइजर्स ने 10 रन से जीत हासिल की थी और वह उससे प्रेरणा लेने की कोशिश करेगी।

टीम इस प्रकार हैंः चेन्नई सुपर किंग्सः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), कार्तिक शर्मा (विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, सरफराज खान, उर्विल पटेल (विकेटकीपर), अमन खान, शिवम दुबे, जैक फॉल्क्स, रामकृष्ण घोष, अंशुल कंबोज, मैथ्यू शॉर्ट, प्रशांत वीर, राहुल चाहर, श्रेयस गोपाल, गुरजापनीत सिंह, मैट हेनरी, अकील हुसैन, स्पेंसर जॉनसन, मुकेश चौधरी, नूर अहमद।

सनराइजर्स हैदराबादः पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, आरएस अंबरीश, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, गेराल्ड कोएत्जी, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, दिलशान मदुशंका, ईशान मलिंगा, कामिंडु मेंडिस, नितीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, साकिब हुसैन, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरन, ओंकार तरमाले, जयदेव। उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी। मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 से शुरू होगा।

फिर हारी पंजाब, धमाकेदार जीत से आरसीबी ने प्लेऑफ में किया क्वालीफाई; वेंकटेश-विराट-भुवनेश्वर चमके

पंजाब किंग्स के लिए शशांक सिंह ने 4 चौकों और 4 छक्कों की बदौलत 27 गेंद में 56 रन बनाए, लेकिन वह सिर्फ हार के अंतर को ही कम कर सके. जीत के साथ आरसीबी ने प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली है.

धर्मशाला, एजेंसी | आईपीएल 2026 के 61वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को 23 रनों से हरा दिया है. इस सीजन आरसीबी की यह 9वीं जीत है. पंजाब के खिलाफ जीत के साथ आरसीबी ने प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर लिया. आईपीएल 2026 के प्लेऑफ में पहंचने वाली आरसीबी पहली टीम है. वहीं पंजाब किंग्स की यह इस सीजन छठी हार है. अब उनका प्लेऑफ में पहुंचना काफी मुश्किल हो गया है.

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 222 रन बनाए थे. जवाब में पंजाब किंग्स की टीम 199 रन ही बना सकी. पंजाब की हार से प्लेऑफ की रेस काफी दिलचस्प हो गई है. पंजाब की हार से चेन्नई सुपर किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स को बंपर फायदा हुआ है. इस मैच की बात करें तो आरसीबी की जीत में विराट कोहली, वेंकटेश अय्यर और भुवनेश्वर कुमार का अहम रोल रहा.

223 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की शुरुआत एक बार फिर अच्छी नहीं रही. प्रियांश आर्य बिना खाता खोले पवेलियन लौटे. उन्हें भुवनेश्वर कुमार ने आउट किया. फिर उनके साथ प्रभसिमरन सिंह पांच गेंद में दो रन बनाकर आउट हो गए. उन्हें भी भुवनेश्वर कुमार ने पवेलियन भेजा. इसके तुरंत बाद कप्तान श्रेयस अय्यर तीन गेंद में एक रन बनाकर चलते बने. उन्हें रसिख डार सलाम ने आउट किया.

19 रनों पर तीन विकेट गिरे तो अब मिडिल ऑर्डर से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी. कूपर कोनोली ने 22 गेंद में 37 और सूर्यांश शेडगे ने 22 गेंद में 35 रनों की पारी खेली. वहीं मार्कस स्टोइनिस ने 25 गेंद में 37 रन बनाए, लेकिन जरूरी रन रेट के हिसाब से कोई भी नहीं खेल सका. पंजाब ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए, जो हार का सबसे बड़ा कारण बना.

दिल्ली ने राजस्थान को रुलाया, प्लेऑफ की दौड़ में बड़ा खेल, 5 विकेट से जीता मैच

नई दिल्ली, एजेंसी | दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स को 5 विकेट से हरा दिया है. इस जीत के साथ दिल्ली ने अपनी प्लेऑफ की उम्मीद को बरकरार रखा है. अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 193 रन बनाए थे. जवाब में दिल्ली की टीम ने आखिरी ओवर में जीत दर्ज की.

ध्रुव जुरेल और कप्तान रियान पराग के अर्धशतक और वैभव सूर्यवंशी की 46 रनों की पारी की बदौलत राजस्थान रॉयल्स 193 रनों तक पहुंची थी. दूसरी ओर दिल्ली के लिए अभिषेक पोरेल और केएल राहुल ने अर्धशतक लगाया और 105 रनों की मैच जिताऊ साझेदारी कर दिल्ली की जीत में बहुत बड़ा योगदान दिया.

प्लेऑफ की दौड़ में बड़ा खेल

दिल्ली कैपिटल्स की इस जीत से प्लेऑफ की दौड़ में बड़ा खेल हो गया है. दिल्ली जो अधिकतम 14 अंकों तक जा सकती है और उसका क्वालीफिकेशन पूरी तरह अन्य टीमों पर निर्भर है. उसने राजस्थान का समीकरण भी बिगाड़ दिया है. राजस्थान और दिल्ली, दोनों के 12-12 पॉइंट्स हैं, लेकिन राजस्थान के 2 मैच बचे हैं और दिल्ली का सिर्फ एक.

राहुल-पोरेल-स्टार्क ने दिखाया दम

194 रनों के लक्ष्य का पीछा करने आई दिल्ली कैपिटल्स को केएल राहुल और अभिषेक पोरेल ने शानदार शुरुआत दिलाई. दोनों के बीच 105 रनों की ओपनिंग पार्टनरशिप हुई. राहुल ने 42 गेंद में 56 रन बनाए, वहीं पोरेल ने 31 गेंद में 51 रनों की पारी खेली. ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर जैसे खूंखार बल्लेबाज फ्लॉप हो गए, लेकिन कप्तान अक्षर पटेल ने 18 गेंद में 34 रन बनाकर दिल्ली की प्लेऑफ की उम्मीदों को जीवित रखा.

विनिंग शॉट आशुतोष शर्मा के बल्ले से आया, जिन्होंने 5 गेंद में 18 रनों की कैमियो पारी खेली. दिल्ली की इस जीत में मिचेल स्टार्क का भी अमूल्य योगदान रहा, जिन्होंने राजस्थान के 4 बल्लेबाजों को आउट किया था. लुंगी एनगिडी और माधव तिवारी ने भी घातक स्पेल फेंका, जिन्होंने ना केवल रन रोकने का काम किया बल्कि 2-2 विकेट भी चटकाए.

व्यापार

शीर्ष 10 कंपनियों का मार्केट कैप 3.12 लाख करोड़ घटा, रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे बड़ा नुकसान

पिछले सप्ताह शेयर बाजार में भारी गिरावट के बीच टॉप-10 में शामिल 9 कंपनियों का मार्केट कैप 3.12 लाख करोड़ घट गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे बड़ा नुकसान हुआ, जबकि भारती एयरटेल फायदे में रही।

नई दिल्ली, एजेंसी | देश के शेयर बाजार में पिछले सप्ताह भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। बाजार में जारी बिकवाली के चलते देश की टॉप-10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से 9 कंपनियों के मार्केट कैपिटलाइजेशन (Mcap) में कुल 3.12 लाख करोड़ की गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ।

बीते सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 2,090.2 अंक यानी 2.7 फीसदी टूट गया, जबकि एनएसई निफ्टी में 532.65 अंकों यानी 2.2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। बाजार में कमजोरी का असर बड़ी कंपनियों के शेयरों पर साफ दिखाई दिया।

क्यों टूटा बाजार? - रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के रिसर्च प्रमुख अजीत मिश्रा के मुताबिक, पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, रुपये में कमजोरी और महंगाई को लेकर बढ़ती चिंताओं ने बाजार की धारणा को कमजोर किया। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतें 105 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने से निवेशकों की चिंता और बढ़ गई। उन्होंने कहा कि महंगे क्रूड ऑयल से आयातित महंगाई बढ़ने, सरकारी वित्तीय दबाव और कंपनियों के मुनाफे पर असर पड़ने की आशंका है। यही वजह रही कि निवेशकों ने बाजार में बिकवाली की।

रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे बड़ा नुकसान - देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के मार्केट कैप में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई। कंपनी का बाजार मूल्य 1,34,445.77 करोड़ घटकर 18,08,420.81 करोड़ रह गया।

इसके अलावा कई दिग्गज कंपनियों को भी भारी नुकसान हुआः- • स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का मार्केट कैप 52,245.3 करोड़ घटा।

• टीसीएस की वैल्यू 47,415.04 करोड़ कम हुई।

• बजाज फाइनेंस को 27,892.28 करोड़ का नुकसान हुआ।

• एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 20,630.01 करोड़ घटा।

• आईसीआईसीआई बैंक की वैल्यू 14,290 करोड़ कम हुई।

• लार्सन एंड टुब्रो को 9,078.87 करोड़ का नुकसान हुआ।

• हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 3,970.8 करोड़ घटा।

• एलआईसी की वैल्यू 2,182.12 करोड़ कम हुई।

रिलायंस, एचडीएफसी बैंक समेत इन 10 शेयरों में विदेशी निवेशकों ने की भारी बिकवाली

एजेंसी नई दिल्ली

विदेशी निवेशक ने पिछले कुछ महीनों में देश में भारी बिकवाली की है। 2024 के अंत से वे अब तक भारत से 53 अरब डॉलर निकाल चुके हैं। इस कारण रुपये में गिरावट आ रही है और एमएससीआई इंडिया इंडेक्स सितंबर 2024 से 2026 के बीच करीब 8 फीसदी लुढ़क चुका है। इस दौरान विदेशी निवेशकों ने रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक जैसी कई दिग्गज कंपनियों में भी बिकवाली की है। यहां हम आपको 10 ऐसे शेयरों के बारे में बता रहे हैं जिनमें विदेशी निवेशकों ने सबसे ज्यादा बिकवाली की है। विदेशी निवेशकों ने मार्च तिमाही में देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक में सबसे ज्यादा बिकवाली की है। दिसंबर 2025 से मार्च 2026 के बीच विदेशी निवेशकों ने बैंक के 47.95 करोड़ शेयर बेच दिए। इनकी नेट वैल्यू 41,449 करोड़ रुपये थी। इस दौरान बैंक के शेयरों में 26.20 फीसदी गिरावट आई। इसी तरह विदेशी निवेशकों ने कोटक महिंद्रा बैंक के 29.41 करोड़ शेयर 11,729 करोड़ रुपये में बेच दिए। बैंक के शेयरों में मार्च तिमाही में 19.72 फीसदी गिरावट आई।

देश की प्रमुख टेलीकॉम कंपनियों में से एक भारती एयरटेल में विदेशी निवेशकों ने 11,287 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। मार्च तिमाही में कंपनी का शेयर 15.35 फीसदी गिरा। आईसीआईसीआई बैंक के 8.18 करोड़ शेयर बेचे गए जिनकी वैल्यू 10,973 करोड़ रुपये है। बैंक का शेयर मार्च तिमाही में 10.20 फीसदी गिरा। जोमैटो की पेरेंट कंपनी इटरनल के 35.09 करोड़ शेयर विदेशी निवेशकों ने 9,147 करोड़ रुपये में बेचे। कंपनी का शेयर मार्च तिमाही में 17.65 फीसदी लुढ़का। प्राइमइंफोबेस के डेटा के मुताबिक देश की दूसरी बड़ी आईटी कंपनी इन्फोसिस के 5.76 करोड़ शेयर भी विदेशी निवेशकों ने ऑफलोड किए। इनकी वैल्यू 8,112 करोड़ रुपये है। मार्च तिमाही में इन्फोसिस का शेयर 22.58 फीसदी गिरा। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के 5.54 करोड़ शेयर भी विदेशी निवेशकों ने मार्च तिमाही में बेच दिए। इनकी वैल्यू 7,815 करोड़ रुपये है। इस दौरान कंपनी का शेयर 14.42 फीसदी गिरा है।

मारुति सुजुकी को भी विदेशी निवेशकों की बिकवाली का सामना करना पड़ा। कंपनी के 0.52 करोड़ शेयर बेचे गए जिनकी कुल वैल्यू 7,409 करोड़ रुपये है। कंपनी का शेयर मार्च तिमाही में 26.30% गिरा है। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस के 2.58 करोड़ शेयर एफआईआई ने बेचे जिनकी कुल वैल्यू 7,162 करोड़ रुपये है। कंपनी का शेयर मार्च तिमाही में 26.43% गिरा है। विदेशी निवेशकों ने मार्च तिमाही में देश की प्रमुख इंजीनियरिंग कंपनी लार्सन एंड टुब्रो के 1.74 करोड़ शेयर बेचे जिनकी कुल वैल्यू 6,631 करोड़ रुपये थी। मार्च तिमाही में कंपनी का शेयर 14.19% गिरा।

मिडिल ईस्ट संकट के बीच सरकार ने फिर बढ़ाई यह डेडलाइन, इस कदम का मतलब

एजेंसी नई दिल्ली

भारत ने एक बार फिर तेल और गैस की खोज के लिए लाइसेंस देने के दसवें दौर के तहत बोलियां जमा करने की डेडलाइन दी है। फरवरी 2025 में इस दौर की शुरुआत के बाद से यह पांचवीं बार है जब समय सीमा बढ़ाई गई है। अब डेडलाइन को बढ़ाकर 19 जून किया गया है। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच यह सरकार का अहम कदम माना जा रहा है।

इस कदम का मतलब मिडिल ईस्ट में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और ईरान संकट के चलते ग्लोबल तेल सप्लाई में डिस्रप्शन का जोखिम गहरा गया है। इसने भारत जैसी कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता वाली अर्थव्यवस्था के लिए एनर्जी सिक्योरिटी को बड़ी चुनौती बना दिया है। ऐसे नाजुक समय में ग्लोबल कंपनियां ऊंचे जोखिम और अस्थिर कीमतों के कारण नए निवेश से कतरा रही हैं। ऐसे में सरकार की ओर से तेल-गैस ब्लॉकों की बोली (OALP) की डेडलाइन को 19 जून तक बढ़ाना एक रणनीतिक कदम है।

11वें दौर के लिए बढ़ी है यह डेडलाइन

सरकार ने मार्च में शुरू की गई 'ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी' (OALP) के तहत ग्यारहवें दौर के लिए भी डेडलाइन बढ़ा दी है।

तेल मंत्रालय के अपस्ट्रीम रेगुलेटर और लाइसेंसिंग दौर की देखरेख करने वाले 'डायरेक्टरेट जनरल ऑफ हाइड्रोकार्बन्स' (DGH) के अनुसार, दोनों दौरों के लिए बोली जमा करने की नई समयसीमा 19 जून है।

पहले 29 मई थी डेडलाइन इससे पहले डेडलाइन 29 मई थी। हालांकि, डीजीएच ने समय सीमा बढ़ाने का कोई कारण नहीं बताया है। लेकिन, डेडलाइन बढ़ाए जाने से दिग्गज ग्लोबल कंपनियों को घरेलू और तकनीकी मूल्यांकन के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा। इससे इस क्षेत्र में विदेशी निवेश और प्रतिस्पर्धी बोलियां आकर्षित होने की संभावना बढ़ेगी।

हालांकि, यह लगातार पांचवां विस्तार नीतिगत अस्थिरता और तेल-गैस भंडारों की संभावनाओं को लेकर निवेशकों की हिचकिचाहट को भी दिखाता है।

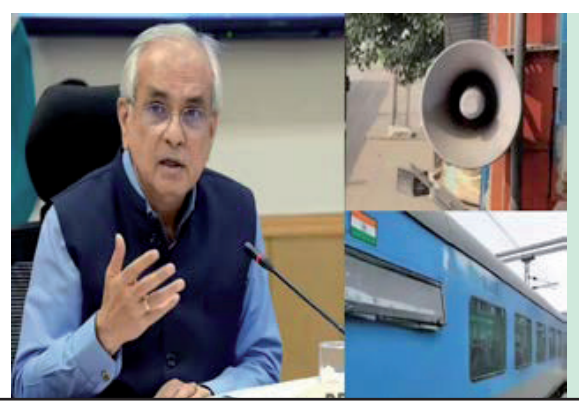

ट्रेन लॉक, अनाउंसमेंट चालू, नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष ने इस सिस्टम को बताया बर्बादी, पीएम की अपील का जिक्र

एजेंसी नई दिल्ली

नीति आयोग के पूर्व अध्यक्ष राजीव कुमार ने रेलवे के एक सिस्टम पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने इसे ऊर्जा की बर्बादी बताया है। ऊर्जा बचत के संबंध में हाल में पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से की गई अपील का जिक्र किया है। उनका दर्द तब छलका जब काठगोदाम रेलवे स्टेशन पर ' नई दिल्ली शताब्दी ' ट्रेन के अंदर जाने के लिए वह इंतजार करते रहे। ट्रेन के दरवाजे अंदर से बंद थे। जबकि अनाउंसमेंट करके लगातार यह बताया जा रहा था कि ट्रेन प्लेटफॉर्म पर खड़ी है। इसी को राजीव कुमार ने ऊर्जा की बर्बादी बताया। काठगोदाम रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर बैठा हूं। नई दिल्ली शताब्दी ट्रेन के अंदर जाने का इंतजार कर रहा हूं, जिसके दरवाजे मजबूती से बंद हैं। इसी बीच, एक पब्लिक अनाउंसमेंट शुरू हो गया है, जिसमें हमें बताया जा रहा है कि यह ट्रेन प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर खड़ी है। जाने-माने अर्थशास्त्री और प्रधानमंत्री के करीबी राजीव कुमार ने इस बारे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया। उन्होंने बताया कि वह काठगोदाम रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर बैठे हैं। 'नई दिल्ली शताब्दी' (12039) ट्रेन के अंदर जाने का इंतजार कर रहे हैं। इसके दरवाजे मजबूती से बंद हैं। राजीव कुमार ने आगे कहा, 'इसी बीच, एक पब्लिक अनाउंसमेंट शुरू हो गया है। इसमें हमें बताया जा रहा है कि यह ट्रेन प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर खड़ी है (जो हमें पहले से पता है) और हमें अपनी सीटों पर बैठ जाना चाहिए (जो हम यकीनन नहीं कर पा रहे हैं)।' उन्होंने बताया, 'यह अनाउंसमेंट पिछले 20 मिनट से बिना रुके, बहुत तेज आवाज में लगातार चल रहा है। बेहद उबाऊ तरीके से बार-बार दोहराया जा रहा है।' राजीव कुमार ने इसे ऊर्जा की बर्बादी करार दिया। उन्होंने कहा, 'यह ऊर्जा की बर्बादी है, ध्वनि प्रदूषण है और ऊर्जा बचाने के प्रति पूरी तरह से लापरवाही दिखाता है। इसके लिए लिए प्रधानमंत्री ने अपनी हालिया अपील में अनुरोध किया था।'

पिंक साड़ी में ब्लैक मास्क लगाए स्पॉट हुईं कृति सेनन

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन का एयरपोर्ट पर इस बार एक अलग लुक देखने को मिला है. वो साड़ी पहने एयरपोर्ट पर पहुंचीं. उनकी फोटोज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं.बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन अपने लुक की वजह से हमेशा सुर्खियों में बनी रहती हैं. एक्ट्रेस का हर अंदाज फैंस को पसंद आता है. इस बार कृति का एयरपोर्ट हटकर लुक देखने को मिला.कृति सेनन का एयरपोर्ट लुक हमेशा हटकर होता है. वो बहुत ही सिंपल और कैजुअल लुक में नजर आती हैं.मगर इस बार उनका लुक देखने वाला था. कृति बेबी पिंक कलर की साड़ी में एयरपोर्ट पर नजर आईं.कृति की साड़ी के साथ ब्लैक मास्क ने लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा है. वो साड़ी के साथ मास्क लगाए हुए नजर आईं.पैपराजी को देखने के बाद उन्होंने मास्क हटाकर पोज भी दिए. उनकी फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं.बेबी पिंक साड़ी में कृति बहुत ही खूबसूरत लग रही थीं. उन्होंने अपने लुक को सिंपल मेकअप और स्ट्रेट हेयर से कंप्लीट किया.कृति की इन फोटोज पर फैंस ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं. एक फैन ने लिखा- कितनी प्यारी लग रही हैं. दूसरे ने लिखा- किसी की नजर ना लगे.वर्कफ्रंट की बात करें तो कृति और धनुष की फिल्म तेरे इश्क में इसी महीने रिलीज होने जा रही है. ये रोमांटिक लव स्टोरी लोगों को काफी पसंद आने वाली है।

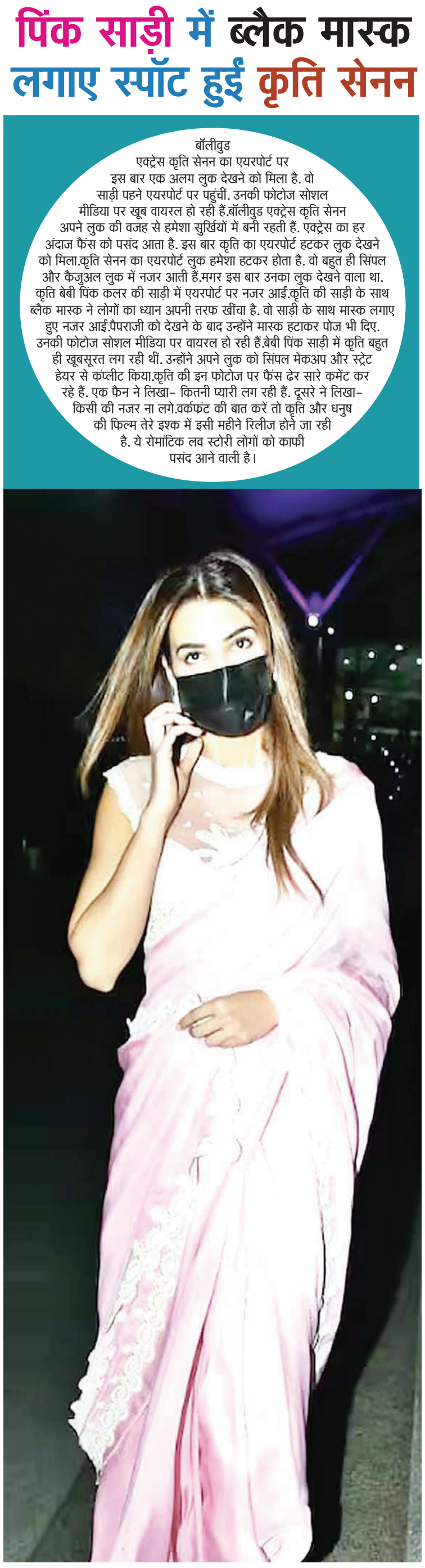

कान्स में वृंदावन की बेटी ने दिखाई सनातन धर्म की झलक

कान्स फिल्म फेस्टिवल हमेशा से अपनी चकाचौंध और अंतरराष्ट्रीय फैशन के लिए जाना जाता है। इस साल जहां आलिया भट्ट जैसी बॉलीवुड एक्ट्रेसेस ने अपने ग्लैमरस अवतार से सुर्खियां बटोरीं, वहीं वृंदावन की बेटी आरती खेतरपाल ने कुछ ऐसा किया जिसने न केवल भारतीय बल्कि ग्लोबल ऑडियंस को भी अचंभित कर दिया।

आरती ने रेड कार्पेट पर सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति का प्रतिनिधित्व करते हुए एक ऐसी एंट्री ली, जो फैशन के इतिहास में हमेशा याद रखी जाएगी। गले में तुलसी की माला और हाथ में श्रीमद्भगवद्गीता लिए आरती ने अपनी जड़ों और आस्था को बखूबी दुनिया के सामने पेश किया।

आरती खेतरपाल ने अपने कान्स डेब्यू के लिए वृंदावन थीम पर आधारित एक खास कस्टम लहंगा चुना। मशहूर डिजाइनर सुलक्षणा मोंगा द्वारा डिजाइन किया गया यह येलो टोन लहंगा सिर्फ एक आउटफिट नहीं, बल्कि कला का एक शानदार नमूना था। इस लहंगे के माध्यम से उन्होंने कान्स की धरती पर वृंदावन की पवित्रता और कृष्ण भक्ति की झलक पेश की। पीले रंग के विभिन्न शेड्स वाले इस लहंगे पर हाथ से की गई पेंटिंग्स ने इसे और भी जीवंत बना दिया।लहंगे के निचले हिस्से पर वृंदावन के प्राकृतिक दृश्यों को बेहद खूबसूरती से उकेरा गया था। इसमें कुंज गलियां, मंदिर, हरियाली और पवित्र यमुना का बहता पानी दिखाया गया। साथ ही, गोपियों और प्रकृति को मल्टीकलर पेंटिंग्स के जरिए दर्शाया गया। लहंगे की कमर पर गोल्डन एम्ब्रॉयडरी की गई थी, जो इसे एक क्लासी लुक दे रही थी। इस आर्टवर्क को सेक्विन वर्क से सजाया गया था, ताकि रेड कार्पेट की लाइटों के बीच यह चमकता रहे।

आरती ने इस शानदार लहंगे के साथ एक हैवी एम्ब्रॉयडरी वाला ब्लाउज पेयर किया। वी-नेक डिजाइन और हाफ स्लीव्स वाले इस ब्लाउज पर फ्लोरल पैटर्न का बारीक काम था, जिसमें नीले और हरे रंग के धागों का इस्तेमाल किया गया था। सुनहरे धागों और गोल्डन सेक्विन ने इसमें एक रॉयल टच जोड़ा। वहीं, उनके दुपट्टे ने पूरे लुक में चार चांद लगा दिए। दुपट्टे के बॉर्डर पर पारंपरिक कटआउट के बजाय पेटल्स जैसी डिटेलिंग दी गई थी, जिसे आरती ने बेल्ट के साथ ड्रेप किया था, जिससे उनका पूरा सिल्हूट काफी ग्रेसफुल नजर आ रहा था।

एक्सेसरीज के मामले में आरती ने भारतीय परंपरा को ही प्राथमिकता दी। उन्होंने एक हैवी पोल्की नेकलेस पहना था, जिसमें लाल और हरे रंग के कीमती स्टोन्स लगे थे। इसके साथ मैचिंग इयररिंग्स, कंगन और रिंग ने उनके लुक को कंप्लीट किया। लेकिन सबसे यादा ध्यान आकर्षित किया उनके गले में मौजूद तुलसी की माला ने। एक अंतरराष्ट्रीय मंच पर तुलसी की माला पहनना उनके साहस और अपनी संस्कृति के प्रति अटूट प्रेम को दिखाता है।आरती खेतरपाल के पूरे गेटअप में सबसे खास और अनोखा एलिमेंट था उनके हाथ में मौजूद रेड चेंटिंग बैग यानी गोमुखी। इस कस्टम मेड गोमुखी पर हरे राम, हरे राम, राम राम, हरे हरे महामंत्र लिखा था और साथ ही बांसुरी बजाते भगवान श्रीकृष्ण की छवि बनी हुई थी। इसके साथ ही, उन्होंने अपने एक हाथ में छोटी सी श्रीमद्भगवद्गीता थामी हुई थी।

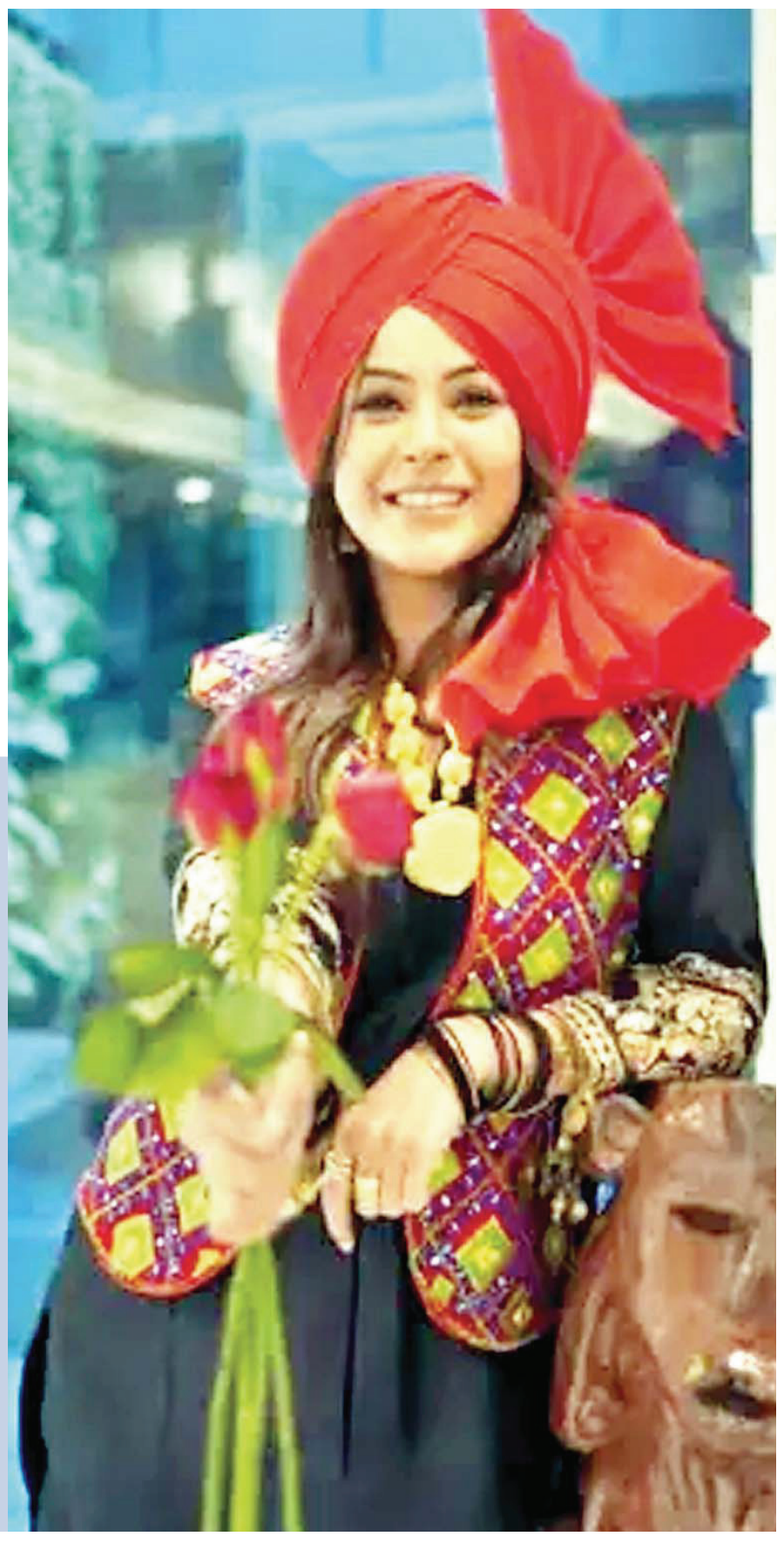

शहनाज गिल की जिंदगी में क्या फिर लौटा प्यार?

स्टेडियम से सामने आए वीडियो में शहनाज गिल बेहद एक्साइटेड दिखाई दे रही थीं। मैच के दौरान उनका एनर्जी से भरा अंदाज फैंस को काफी पसंद आया। सोशल मीडिया पर वायरल क्लिप्स देखने के बाद कुछ लोगों ने दावा किया कि वह खास तौर पर देवदत्त पडिक्कल को सपोर्ट करने पहुंची थीं। यही वजह है कि दोनों के रिलेशनशिप की खबरों ने अचानक जोर पकड़ लिया। हालांकि कई यूजर्स इसे सिर्फ एक सामान्य मैच विजिट भी बता रहे हैं।

टीवी और पंजाबी इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री शहनाज गिल एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। बिग बॉस से घर-घर पहचान बनाने वाली शहनाज गिल का नाम अब एक क्रिकेटर के साथ जोड़ा जा रहा है। सोशल मीडिया पर तेजी से चर्चा हो रही है कि शहनाज की जिंदगी में एक बार फिर प्यार ने दस्तक दे दी है। दावा किया जा रहा है कि वह आईपीएल टीम आरसीबी के खिलाड़ी देवदत्त पडिक्कल को डेट कर रही हैं।

शहनाज गिल का नाम पहले भी कई सितारों के साथ जुड़ चुका है, लेकिन इस बार मामला क्रिकेट जगत से जुड़ा हुआ दिखाई दे रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट और एक्स पर कई यूजर्स लगातार यह दावा कर रहे हैं कि शहनाज और देवदत्त पडिक्कल एक-दूसरे को पसंद करते हैं। इन चर्चाओं को तब और हवा मिली जब शहनाज हाल ही में आरसीबी का मैच देखने स्टेडियम पहुंचीं। वायरल वीडियो में वह आरसीबी की जर्सी पहने नजर आईं, जिसके बाद

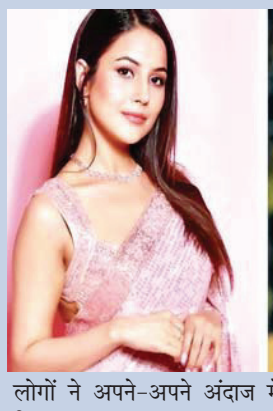

लोगों ने अपने-अपने अंदाज में कयास लगाने शुरू कर दिए।

स्टेडियम से सामने आए वीडियो में शहनाज गिल बेहद एक्साइटेड दिखाई दे रही थीं। मैच के दौरान उनका एनर्जी से भरा अंदाज फैंस को काफी पसंद आया। सोशल मीडिया पर वायरल क्लिप्स देखने के बाद कुछ लोगों ने दावा किया कि वह खास तौर पर देवदत्त पडिक्कल को सपोर्ट करने पहुंची थीं। यही वजह है कि दोनों के रिलेशनशिप की खबरों ने अचानक जोर पकड़ लिया। हालांकि कई यूजर्स इसे सिर्फ एक सामान्य मैच विजिट भी बता रहे हैं।

इन डेटिंग रूमर्स पर शहनाज गिल के फैंस का रिएक्शन भी तेजी से सामने आया है। कई लोगों ने सोशल मीडिया पर साफ लिखा कि सिर्फ किसी टीम को सपोर्ट करने से रिलेशनशिप की खबरें सच नहीं हो जातीं। कुछ फैंस ने कहा कि शहनाज हमेशा से क्रिकेट मैच और बड़े इवेंट्स को एंजॉय करती रही हैं, इसलिए इस वायरल वीडियो को गलत तरीके से देखा जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ कुछ यूजर्स दोनों की जोड़ी को काफी पसंद भी कर रहे हैं और लगातार उनके नाम को ट्रेंड करवा रहे हैं।

वर्क फ्रॉम होम : वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में एक दूरदर्शी समाधान

चंद्रकांति आर्य

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए बहुराष्ट्रीय, निजी एवं सरकारी संस्थाओं को अधिक से अधिक वर्क फ्रॉम होम अपनाने की सलाह अत्यंत प्रासंगिक और दूरदर्शी कदम है। यह केवल एक अस्थायी व्यवस्था नहीं, बल्कि भविष्य की कार्यसंस्कृति का एक महत्वपूर्ण आधार बन सकता है।

आज के समय में जब ईंधन की कीमतें, पर्यावरणीय संकट और शहरी जीवन की जटिलताएं लगातार बढ़ रही हैं, ऐसे में वर्क फ्रॉम होम एक प्रभावी विकल्प के रूप में उभरता है। आज की भाग दौड़ भरी जिंदगी में जब हम *कार्य* शब्द सुनते हैं तो दिमाग में सबसे पहले सुबह की हड़बड़ी, ट्रैफिक का शोर और दफ्तर की वह चमचमाती कंक्रीट की इमारतें घूमने लगती है, लेकिन समय बदल चुका है। वर्क फ्रॉम होम को अक्सर कर्मचारियों के आराम या सुविधा से जोड़कर देखा जाता है जबकि इसका असली और गहरा प्रभाव हमारे समाज, हमारी सड़कों, हमारे पर्यावरण के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है । वर्क फ्रॉम होम कार्य करने के फायदे की बात नहीं करता बल्कि विश्लेषण करता है कि कैसे यह व्यवस्था हमारी सड़कों के दबाव को कम करती है जो सुबह 09 बजे दफ्तर के लिए निकलते हैं तो सड़कों की हालत ट्रैफिक जाम की हो जाती है। ऐसे में यदि किसी शहर का 30 प्रतिशत वर्कफोर्स भी घर से काम करता है तो सड़कों पर वाहनों की संख्या में भारी कमी आती है। पीक आवर का ट्रैफिक जो कभी सिर दर्द हुआ करता था वह सामान्य हो जाता है। सड़कों पर गाड़ियां कम होगी तो मानसिक तनाव भी कम होगा। परिणाम स्वरूप सड़क दुर्घटनाओं के ग्राफ में एक भारी गिरावट देखी जा सकेगी।

वर्क फ्रॉम होम के कारण सड़कों की मरम्मत पर होने वाला सरकारी खर्च और जनता का पैसा दोनों बचेंगे।

पारंपरिक ऑफिस संस्कृति ने शहरों में जमीनों की कीमतों को आसमान पर पहुंचा दिया है। कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए हैं। घर से काम करने की संस्कृति एक नया नजरिया देती है। कंपनियों को अब हजारों कर्मचारियों को एक साथ बैठाने के लिए विशाल इमारत की जरूरत नहीं होती। दफ्तर में दिन-रात चलने वाले विशाल एयर कंडीशनर, हजारों लाइट्स और कंप्यूटर जो भारी मात्रा में बिजली की खपत करते हैं, उनमें कमी आती है। यह सीधे तौर पर कार्बन फुटप्रिंट को कम करता है। पर्यावरण और व्यक्ति के जीवन का वर्क फ्रॉम होम का सबसे खूबसूरत पहलू यह है कि यह इंसान को उसकी जड़ों और प्रकृति के करीब लाता है। रोजाना होने वाले सफर के रुकने से लाखों लीटर ईंधन की बचत होती है। जहरीला धुआं हवाओं में नहीं घुलता, जिससे शहरों की हवा सांस लेने योग्य बनती है।एक आम आदमी या नौकरी पेशा व्यक्ति रोज 2 से 3 घंटे सिर्फ सफर में बिता देता है। यह समय उसके पास वापस लौट आता है, जिसे वह अपने परिवार, स्वास्थ्य या किसी रचनात्मक कला को दे सकता है। सड़कों और ऑफिस का दबाव और काम करने के लिए इस व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा शहरों का बोझ कम करने के लिए कुछ नए कदम उठाए जा सकते हैं। कंपनियों को पूरी तरह ऑफिस या पूरी तरह घर के बजाय एक रोटेशन व्यवस्था बनानी चाहिए। उदाहरण के लिए टीम के कुछ सदस्य सोमवार मंगलवार आएंगे और बाकी सदस्य बुधवार और गुरुवार आएं, इससे दफ्तर और सड़कों दोनों पर कभी भी100 प्रतिशत दबाव नहीं पड़ेगा।

मुख्य शहर के केंद्र में एक बड़ा ऑफिस बनाने की बजाय कंपनियां छोटे शहरों या आवासीय इलाकों के पास छोटे वर्क हब बन सकती है, जिससे कर्मचारियों को अपने घर के पास ही ऑफिस का माहौल मिल जाएगा और उसे मुख्य शहर की तरफ भागने की जरूरत नहीं होगी।

सरकारों और कंपनियों को उन कर्मचारियों को विशेष प्रोत्साहन या सराहना देनी चाहिए जो स्वेच्छा से घर से काम करके शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर एवं पर्यावरण को बचाने में मदद कर रहे हैं।

यदि ऑफिस आना जरूरी भी हो तो सभी के लिए सुबह 09 से 05 का समय अनिवार्य न हो, लोगों का समय सुबह 07 से 12 के बीच फ्लैक्सिबल रखने से सड़कों पर एक ही समय में होने वाली भीड़ को पूरी तरह टाला जा सकता है।

वर्क फ्रॉम होम को अब एक अस्थाई विकल्प के रूप में नहीं बल्कि एक सतत जीवन शैली के रूप में देखा जाना चाहिए। यह कंपनियों के खर्चों में बचत है, कर्मचारियों के लिए मानसिक शांति है, सड़कों के लिए राहत है और हमारी धरती के लिए एक नया जीवन। जब हम घर से काम करते हैं तो हम केवल अपनी आजीविका नहीं कमा रहे होते बल्कि हम एक शांत, स्वच्छ और अधिक संतुलित दुनिया के निर्माण में भी योगदान दे रहे होते हैं।

प्रतिदिन दफ्तर आने जाने की बाध्यता समाप्त होने से लाखों लीटर पेट्रोल डीजल के जलने से बच जाता है, जहरीली गैसे और कार्बन के कण हवा में घुलने बंद हो जाते हैं जिससे शहरों का आसमान पुनः नीला और हवा सांस लेने योग्य हो जाती है। वर्क फ्रॉम होम कर्मचारियों को मानसिक शांति और अवसाद से मुक्ति देती है।अंततः हमारी इस धरा को एक नया जीवन प्रदान करती है। वर्क फ्रॉम होम केवल एक सुविधा नहीं बल्कि एक जिम्मेदार और पर्यावरण अनुकूल कार्यशैली है जिसे समय की मांग के अनुरूप अधिक से अधिक प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इससे देश की आत्मनिर्भरता में भी योगदान मिलेगा।

(लेखिका साहित्यकार और समसामयिक मुद्दों पर लिखती हैं)

रियाज़ कौसर मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट सीज़न-3 का सफलतापूर्वक समापन

भोपाल। बेस्ट शॉट्स इनडोर स्पोर्ट्स क्लब, जिया हाउस कोहेफिज़ा भोपाल द्वारा आयोजित चार दिवसीय "रियाज़ कौसर मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट सीज़न-3" का सफलतापूर्वक समापन हो गया। 13 मई से 16 मई 2026 तक आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रदेशभर की लगभग 28 से 32 टीमों ने हिस्सा लिया और शानदार खेल का प्रदर्शन किया।

टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में खिलाड़ियों ने रोमांचक प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अजहर छावनी टीम ने अपने नाम किया, जबकि द्वितीय पुरस्कार मीरांश नदीम इलेवन टीम को प्राप्त हुआ।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में ऑल इंडिया मुस्लिम कौमी तंजीम के प्रदेश अध्यक्ष एवं कांग्रेस प्रदेश महासचिव मुनव्वर कौसर उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता एवं उपविजेता टीमों सहित उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल एवं पुरस्कार राशि वितरित कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

बेस्ट शॉट्स इनडोर स्पोर्ट्स क्लब के संचालक एवं संस्थापक शाहबाज़ कौसर और सुफियान अली ने बताया कि क्लब का उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना एवं उनकी प्रतिभा को मंच प्रदान करना है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों, अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

टूर्नामेंट में विजेता टीम को 45 हजार रुपए तथा उपविजेता टीम को 21 हजार रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। इसके अलावा बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट बॉलर, मैन ऑफ द मैच, प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट एवं बेस्ट फील्डर जैसे व्यक्तिगत पुरस्कार भी खिलाड़ियों को दिए गए।

प्रतिभा सम्मान समारोह में सम्मानित हुए युवा एवं छात्र छात्राये, कौरव सेवा समिति ने किया सामाजिक प्रतिभाओं का सम्मान

गाडरवारा। राजेश नीरस. कौरव सेवा समिति द्वारा प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन बीते रविवार को गाडरवारा के रायल पैलेस में आयोजित किया गया। इस आयोजन में कौरव समाज के कक्षा 10 वी व 12 वी मध्यप्रदेश एवं सेंट्रल बोर्ड 2026 में '85%' प्रतिशत से अधिक अंक वाले छात्र छात्राओं, 2025-26 में सरकारी नौकरी प्राप्त सामाजिक युवाओं,नवोदय विद्यालय में चयनित सामाजिक बच्चों सहित न्यू स्टार्ट अप वाले युवाओं सहित कुल 130 प्रतिभाओ का सम्मान स्मृति चिन्ह, भीष्म पितामह चित्र एवं प्रशस्ति पत्र देकर अतिथियों ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं भीष्म पितामह के चित्र का पूजन कर किया गया।

इस दौरान उपस्थित अतिथियों का स्वागत शॉल, श्रीफल, डायरी, पैन एवं माला पहनाकर कौरव सेवा समिति के सदस्यों ने किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए पूर्व जनपद अध्यक्ष मुकेश मरैया ने कहा कि सामाजिक युवाओं के सम्मान की यह पहल सराहनीय है। युवाओं को नशे से दूर रहकर अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कॉलेज प्राचार्य प्रहलाद सिंह कौरव एवं राजेंद्र कौरव ने कहा कि कौरव सेवा समिति सामाजिक हित में अनेक उल्लेखनीय कार्य कर रही है। इस अवसर पर रमाकांत कौरव, महेन्द्र कौरव एवं प्रवीण कौरव ने कहा कि कौरव समाज में अनेक प्रतिभाएँ है जिन्हे समाज के बीच जाना हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम का संचालन एवं अंत में आभार प्रदर्शन हेमंत कौरव ने किया। इस आयोजन में यशवंत कौरव, अनिल कौरव, सतीश कौरव, सौरभ कौरव, अरविंद ममार, गिरीश पटैल, गजेंद्र कौरव, महेंद्र कौरव,राजेश पटैल, संजय कौरव, सालकराम कौरव,दीपक बड़कुर, लाल साहब कौरव, उमेश कौरव, मनीष ममार, पवन कौरव, प्रदीप कौरव, अमित पटैल, समीर कौरव, संजय कौरव,भानु प्रताप कौरव, ब्रजेश कौरव, मनीष कौरव, हजारी कौरव, दिलीप कौरव, आनंद कौरव, सत्यम तिहैया, रंजीत कौरव सहित कौरव सेवा समिति के समस्त सदस्य आदि उपस्थित रहे

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के 32 हजार संविदा कर्मचारी चरणबद्ध आंदोलन की तैयारी में

भोपाल।* राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यरत प्रदेश के लगभग 32 हजार संविदा कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन पर जाने का निर्णय लिया है। संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ म.प्र. की कार्य समिति द्वारा लिए गए इस निर्णय के बाद प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ म.प्र. से जुड़ी डॉ कामिनी मेहरा के अनुसार, प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं के सुचारू संचालन में इन कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनकी सेवाओं के आधार पर राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान और पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं। इसके बावजूद कर्मचारियों के हितों की लगातार अनदेखी की जा रही है। संघ का कहना है कि मुख्यमंत्री की उपस्थिति में उनकी मांगों पर सहमति बनी थी, लेकिन एक वर्ष बीत जाने के बाद भी कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया, जिससे कर्मचारियों में व्यापक आक्रोश है।

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ म.प्र ने चेतावनी दी है कि यदि 20 दिनों के भीतर मांगों का निराकरण नहीं किया गया, तो आंदोलन तेज किया जाएगा। साथ ही यह भी कहा गया है कि यदि स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होती हैं, तो इसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ म.प्र.के प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र भदौरिया, प्रदेश संयोजक विजय ठक्कर एवं प्रदेश महामंत्री जितेन्द्र यदुवंशी ने शासन से अपील की है कि समय रहते कर्मचारियों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय लिया जाए, ताकि आमजन को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

यह है संगठन की प्रमुख मांगें :

डॉ मेहरा के अनुसार संविदा कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में नियमितिकरण, एनपीएस और स्वास्थ्य बीमा का लाभ, 10 प्रतिशत वार्षिक वेतनवृद्धि, महंगाई भत्ता, वेतन विसंगति का निराकरण, नियमित कर्मचारियों की तरह अवकाश और समान कार्य के लिए समान वेतन एवं सुविधाएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्त सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के वेतन में पीबीआई समायोजन की भी मांग की गई है।

तय हुई चरणबद्ध आंदोलन की रूपरेखा :

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ म.प्र. द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार, 25 से 27 मई तक सभी कर्मचारी काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराएंगे। 28 से 29 मई तक कलेक्टर, सीएमएचओ और बीएमओ को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

30 मई से 1 जून तक जनप्रतिनिधियों—सांसद, विधायक और मंत्रियों को ज्ञापन देकर अपनी समस्याएं बताई जाएंगी। 2 जून से सभी ऑनलाइन और ऑफलाइन कार्यों का बहिष्कार करते हुए अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी। वहीं 8 जून को भोपाल में मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया जाएगा।

हजरत बरिया वाले बाबा का उर्स 25 मई को कब्बाली का होगा प्रोग्राम

गाडरवारा। राजेश नीरस. सर्वधर्म सद्भावना का प्रतीक कौड़िया रोड पर हजरत बरिया वाले बाबा का दरबार धार्मिक आस्था का केंद्र बिंदु है प्रतिवर्ष उनका उर्स मुबारक खुशनुमा अंदाज में अकीदत के साथ भव्यता से मनाया जाता है । आगामी 25 मई को उर्स मुबारक के मौके पर हजरत बरिया वाले बाबा कमेटी की जानिब से शानदार तरीके से कार्यक्रम अयोजित किये जा रहे है। 25मई शाम 5 बजे से लंगर (भंडारा) प्रारंभ हो जाएगा एवं रात 9 बजे से महफिल ए शमा कब्बाली कार्यक्रम होगा जिसमे मशहूर कब्बाल यासिर फैजान हुसैन एंड पार्टी अपने कलाम पेश करेगी । बरिया वाले दरगाह के खादिम युनुस हुसैन ने बताया के हजरत बरिया वाले बाबा का उर्स उनके चाहने वालो व

बुजुर्गाने दीन से निस्वत रखने वाले उत्साह के साथ उर्स मनाने जा रहे । उर्स के मौके पर दरबारी चादर व संदल सुबह 6 बजे किया जाएगा ।

उर्स व कब्बाली प्रोग्राम को लेकर बेहतर तैयारिया की जा रही है आयोजन कमेटी ने सभी लोगो से 25 मई को हजरत बरिया वाले बाबा कौड़िया रोड पवार हाउस के पास निरंजन वार्ड में होने जा रहे उर्स मुबारक कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है ।

कलेक्टर को भेट की गई सुंदरकांड की पावन पुस्तक

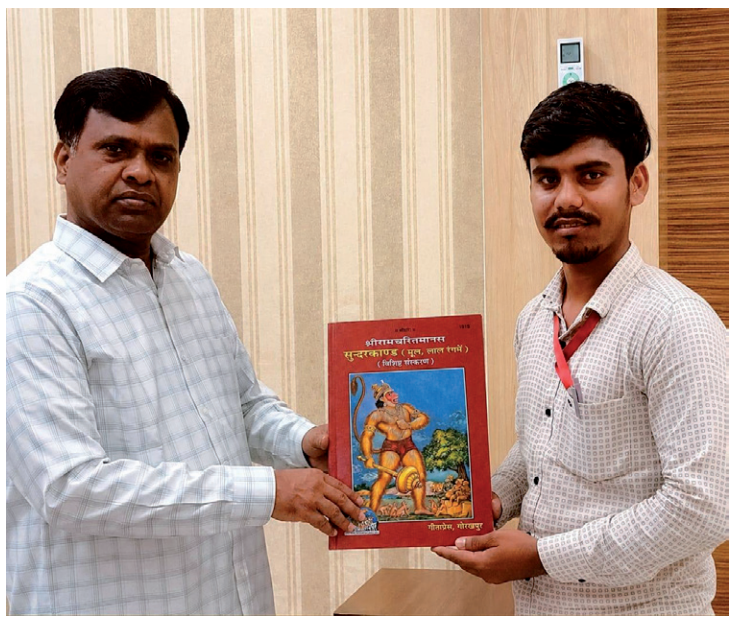

रीवा, शहर में धार्मिक एवं सांस्कृतिक भावनाओं से जुड़ा एक प्रेरणादायक क्षण उस समय देखने को मिला, जब तराई अंचल के युवा सामाजिक कार्यकर्ता रामचंद्र यादव ने कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी से सौजन्य भेंट कर उन्हें श्रीरामचरितमानस के सुंदरकांड की पावन पुस्तक भेंट की। इस अवसर पर रामचंद्र यादव ने बताया कि सुंदरकांड भगवान हनुमान जी की भक्ति,साहस और सेवा भावना का अद्भुत प्रतीक है, जो समाज को सकारात्मक ऊर्जा और सदाचार की प्रेरणा देता है। इस भेंटवार्ता के दौरान कलेक्टर ने इस धार्मिक उपहार को सादर स्वीकार करते हुए कहा कि ऐसे आध्यात्मिक ग्रंथ समाज में नैतिक मूल्यों को मजबूत करते हैं तथा जनमानस में सकारात्मक सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने रामचंद्र यादव के इस पहल की सराहना करते हुए शुभकामनाएँ दीं।

इस सौहार्दपूर्ण मुलाकात के दौरान जिले के विकास,सामाजिक सहयोग और जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी संक्षिप्त चर्चा हुई। यह सौजन्य भेंट शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है और लोगों ने इसे धार्मिक एवं सामाजिक सद्भाव का सुंदर संदेश बताया है।

प्रशासन से अपील अतिक्रमण निष्पक्षता से हटे, माकपा

गाडरवारा। राजेश नीरस. मार्क्सवादी कम्यूनिस्ट पार्टी के जिला सचिव कामरेड जगदीश पटेल ने गाडरवारा में अतिक्रमण की कार्यवाही का स्वागत किया है,विस्थापित गरीब जो परिवार का पालन पोषण करते थे उन्हें विस्थापन का प्रबंध किया जाय।साथ ही

अतिक्रमण अभियान में पक्षपात किए जाने की चर्चाएं जोरों पर है जो दिख भी रही है।अचानक 3 दिनों से क्यों रुक गया अभियान ?

स्टेशन चीचली तिराहे की 14 दुकाने, कब्रिस्तान क्षेत्र पुरानी गल्ला मंडी पुराना सराफा झंडा चौक का अतिक्रमण न हटाए जाना चर्चा का विषय बना हुआ है।

एक तरफ कई वर्षों से चाय नाश्ते सब्जी पान ठेले से लेकर छोटे गुमठी वाले गरीब लोग जो परिवार का पालन पोषण करते थे, वे बिलख बिलख कर रो रहे हैं, उनके विस्थापन की व्यवस्था की जाना चाहिए दूसरी तरफ क्या कारण है कि समान कार्यवाही न होकर पक्षपात शुरू हो गया है, शीघ्र गाडरवारा का अतिक्रमण बगैर पक्षपात के हटाया जाय अन्यथा माकपा सड़क पर उतरने मजबूर होगी।

प्रशासन से अपील है निष्पक्ष कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण की प्रक्रिया जारी रखे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित ।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490, प्रबंध संपादक आशीष नेमा मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा ।)| RNI NO. MPHIN/2022/84698